नागालैंडविश्वविद्यालय

Nagaland University

अधिगम आधारित पाठ संरचना (LOCF)

हिंदी साहित्य के स्नातक पाठ्यक्रम

B.A. Courses for Hindi Literature

2019

Introduction:

Content: हिंदी (ऑनर्स) पाठ्यक्रम विद्यार्थी के आलोचनात्मक विवेक और रचनात्मक क्षमता को बढाने के उद्देश्य से तैयार किया गया है। साहित्य की समझ के साथ भाषा का ज्ञान विद्यार्थी को संवेदनात्मक क्षमता और ज्ञानात्मक संवेदन प्रदान करता है। ज्ञान की शाखाओं के साथ आज विश्व ko सजग, आलोचनात्मक, विवेकशील और संवेदनशील व्यक्ति की आवश्यकता है, जो समाज की नकारात्मक शक्तियों के विरुद्ध समानता और बंधुत्व के भाव की स्थापना कर सकें। साहित्य का अध्ययन मनुष्य ko इस सन्दर्भ में विस्तार देता है तथा मानवता की विजय में उसके विश्वास को दृढ़ करता है। भाषा, आलोचना, काव्यशास्त्र का अध्ययन जहाँ सैद्धांतिक समझ को विस्तृत करता है वहीं कविता, नाटक, कहानी में उन सिद्धांतों को व्यावहारिक दोनों रूपों में सक्षम बनाता है।

Learning Outcome based approach to curriculum planning

- Aims of Bachelor's degree programme in(CBCS) B.A.(HONS.) HINDI

Content: भारतीय संविधान में देवनागरी लिपि में लिखित हिंदी को संघ की राजभाषा घोषित किया गया है। हिंदी पढ़ाने वाले छात्र को भाषा की क्षमता से परिचित होना जितना आवश्यक है उतना ही उसे समाज की चुनौतियों के सन्दर्भ में जोड़ने की योग्यता विकसित करना भी जरुरी है। आज हम भूमंडलीकृत समाज के सदस्य हैं। अतः पाठ्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थी को देश-विदेश के साहित्य में हो रहे बदलाव से परिचित कराना भी है और भूमंडलीकरण की वैश्विक गति के बीच से ही हिंदी की राष्ट्रीय प्रगति को भी सुनिश्चित करेगा क्योंकि सशक्त भाषा के बिना किसी राष्ट्र की उन्नति संभव नहीं है। यह पाठ्यक्रम वर्तमान सन्दर्भों के अनुकूल है साथ ही इस पाठ्यक्रम का आधुनिक रूप रोजगारपरक भी है। यह पाठ्यक्रम विद्यार्थियों को व्यावहारिक पहलू से अवगत करा सकेगा। हिंदी साहित्य की नयी समझ और भाषा की व्यावहारिकता की जानकारी इसका प्रमुख ध्येय है। इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य भाषा और समाज के जटिल संबंधों की पहचान कराना भी है, जिससे विद्यार्थी देश, समाज, राष्ट्र और विश्व के साथ बदलते समय में व्यापक सरोकारों से अपना सम्बन्ध जोड़ सके साथ ही उसके भाषा कौशल-लेखन और सम्प्रेषण क्षमता का विकास हो सके।

Graduate Attributes in Subject

- Disciplinary Knowledge

Content: भाषा, साहित्य और संस्कृति के अध्ययन-विश्लेषण द्वारा इतिहास, समाजविज्ञान, मनोविज्ञान, दर्शन, भाषा विज्ञान आदि विषयों का तुलनात्मक ज्ञान विकसित होगा।

Graduate Attributes in Subject

- Communication Skills

Content: साहित्य और भाषा के बहुआयामी अध्ययन से संवाद एवं लेखन की क्षमता विकसित होगी।

Graduate Attributes in Subject

- Critical Thinking

Content: अंतर-अनुशासनात्मक एवं तुलनात्मक अध्ययन करने से आलोचनात्मक विवेक विकसित होगा।

Graduate Attributes in Subject

- Problem Solving

Content: साहित्य और भाषा का अध्ययन व्यक्तित्व निर्माण में सहायक होता है। साहित्यिक कृतियों में उपस्थित संभावनाओं के माध्यम से जीवन सेसम्बंधित समस्याओं का हल निकालने से सहायता मिलती है।

Graduate Attributes in Subject

- Research related Skills

Content: भाषा, साहित्य, समाज और संस्कृतिपरक अध्ययन द्वारा विद्यार्थियों में शोध सम्बन्धी क्षमता विकसित होगी।

Graduate Attributes in Subject

- Reflective Thinking

Content: साहित्य और भाषा का अध्ययन करने से व्यक्तित्व विकास होने के साथ-साथ समाज और आत्म के अंतर्संबंध को समझने की विशेष योग्यता विकसित होती है।

Graduate Attributes in Subject

- Moral and Ethical Awareness/Reasoning

Content: साहित्य प्रत्यक्ष रूप से नैतिक मूल्यों के विकास का अवसर प्रदान करता है।

Graduate Attributes in Subject

- Multicultural Competence

Content: साहित्य और भाषा का अध्ययन बहु-सांस्कृतिक अनुभव प्रदान करता है।

Qualification Description

Content: 10+2 या समकक्ष

Programme Learning Outcome in Course

Content: इस पाठ्यक्रम को पढने-पढ़ाने की दिशा में निम्नलिखित परिणाम सामने आयेंगे:-

1. इस पाठ्यक्रम के माध्यम से सीखने-सिखाने की प्रक्रिया में हिंदी भाषा के आरंभिक स्तर से अब तक के बदलते रूपों की विस्तृत जानकारी प्राप्त की जा सकेगी।
2. भाषा के सैद्धांतिक रूप के साथ-साथ व्यावहारिक पक्ष को भी जाना जा सकेगा।
3. उच्च शैक्षिक स्तर पर हिंदी भाषा किस प्रकार महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है, इससे सम्बंधित परिणाम को प्राप्त किया जा सकेगा।

4. छात्र अपनी भाषा को सीखने की प्रक्रिया में भाषागत मूल्यों को व्यावहारिक रूप से भी जान सकेंगे।
5. व्यावसायिक क्षमता को बढ़ावा देने के लिए भाषा, अनुवाद, कंप्यूटर जैसे विषयों को हिंदी से जोड़कर पढ़ाना जिससे बाज़ार के लिए आवश्यक योग्यता का भी विकास किया जा सके।
6. हिंदी के अतिरिक्त भारतीय साहित्य का ज्ञान भी अपेक्षित रहेगा जो छात्रों के व्यक्तित्व विकास में सहायक होगा तथा अभिव्यक्ति क्षमता का विकास भी किया जा सकेगा।
7. साहित्य के सौन्दर्य, कला बोध के साथ वैचारिक मूल्यों को बढ़ावा देना।
8. साहित्य की विधाओं के माध्यम से विद्यार्थी की रचनात्मकता को दिशा देना। कविता, कहानी और नाटक जैसी विधाओं द्वारा विद्यार्थी की रचनात्मकता को प्रोत्साहित करना।
9. साहित्य के आदिकालीन सन्दर्भों से लेकर समकालीन रूप से परिचित कराना जिससे विद्यार्थी साहित्यकार और युगबोध के सम्बन्ध को परख और पहचान सके।
10. साहित्यिक विवेक का निर्माण।

Teaching Learning Progress

Content: सीखने की प्रक्रिया में इस पाठ्यक्रम में हिंदी भाषा दक्षता को मजबूती देना है। छात्र हिंदी भाषा में नयापन और वैश्विक माध्यम की निर्माण प्रक्रिया में सहायक बन सकें। अपनी भाषा में व्यवहार कुशलता एवं निपुणता प्राप्त कर सकें। साहित्य की समझ विकसित हो सके तथा आलोचनात्मक ढ़ंग से साहित्यिक विवेक निर्मित किया जा सके। इसके लिए निम्नांकित बिन्दुओं को देखा जा सकता है:-

1. कक्षा व्याख्यान
2. सामूहिक चर्चा
3. सामूहिक परिचर्चा और चयनित विषयों पर आधारित सेमिनार आयोजन
4. साहित्यिकता की समझ देना
5. प्रदर्शन कलाओं को वास्तविक रूप में देखना
6. कक्षाओं में पठन-पाठन पद्धति
7. लिखित परीक्षा
8. आतंरिक मूल्याङ्कन
9. शोध-सर्वेक्षण
10. वाद-विवाद
11. कंप्यूटर का व्यावहारिक ज्ञान

12. दृश्य-श्रव्य माध्यमों की जानकारी व्यावहारिक रूप से देना
13. काव्य वाचन, पठन और आलोचनात्मक मूल्याङ्कन
14. कथा पाठ और वाचन में अंतर समझना
15. आलोचनात्मक मूल्याङ्कन पर बल

Assessment Methods

Content:

1. हिंदी भाषा के व्यावहारिक मूल्यों पर आधारित परियोजना कार्य व मूल्याङ्कन।
2. भाषिक नमूने तैयार करना और विश्लेषण
3. विद्यार्थियों का मौखिक और लिखित मूल्याङ्कन
4. पी.पी.टी.() बनाने के लिए विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करना। इस माध्यम से हिंदी की विविध विधाओं को दृश्य माध्यम से रुचिकर रूप से जाना जा सकेगा।
5. भाव विश्लेषण के लिए विद्या आधारित प्रश्नोत्तरी का मूल्याङ्कन करना।
6. पारंपरिक और आधुनिक तकनीकी माध्यमों की सहायता से अध्ययन-अध्यापन।
7. समूह-परिचर्चा

B.A. Courses for Hindi Literature
2019

सेमेस्टर-1:

हिंदी कोर प्रश्नपत्र- 1.1 - हिन्दी भाषा का इतिहास और लिपि -

हिंदी कोर प्रश्नपत्र- 1.2 -` हिन्दी साहित्य का इतिहास -1

सेमेस्टर -2:

हिंदी कोर प्रश्नपत्र- 2.1 - हिन्दी साहित्य का इतिहास -2

हिंदी कोर प्रश्नपत्र- 2.1 - हिंदी कहानी

सेमेस्टर -3:

हिंदी कोर प्रश्नपत्र- 3.1 - हिंदी साहित्य का इतिहास - 3

हिंदी कोर प्रश्नपत्र- 3.2 - भारतीय काव्यशास्त्र

सेमेस्टर-4:

हिंदी कोर प्रश्नपत्र- 4.1 - हिन्दी कविता :आदिकाल और मध्यकाल

हिंदी कोर प्रश्नपत्र- 4.2 - प्रयोजनमूलक हिंदी

हिंदी कोर प्रश्नपत्र- 4.3 - हिन्दी उपन्यास

सेमेस्टर-5:

हिंदी कोर प्रश्नपत्र- 5.1 - पाश्चात्य काव्यशास्त्र

हिंदी कोर प्रश्नपत्र- 5.2 - आधुनिक कविता : भारतेंदु युग से छायावाद तक

सेमेस्टर-6:

हिंदी कोर प्रश्नपत्र- 6.1 - हिंदी आलोचना

हिंदी कोर प्रश्नपत्र- 6.2 - हिन्दी निबंध और अन्य विधाएं

हिंदी कोर प्रश्नपत्र- 6.3 - आधुनिक कविता : : छायावादोत्तर कविता

सत्र-1

पाठ्यक्रम :-1.1 हिन्दी भाषा का इतिहास और लिपि

क्रेडिट:-6

Course Objective:

हिंदी(विशेष) प्रथम वर्ष पाठ्यक्रम का उद्देश्य हिंदी भाषा और लिपि के आरंभिक रूप से लेकर आधुनिक काल की विकास यात्रा को बताना रहा है। भारत के संविधान में देवनागरी लिपि में लिखित हिंदी को संघ की राजभाषा घोषित किया गया है। हिंदी(विशेष) को पढने वाले विद्यार्थियों के लिए पाठ्यक्रम के आरम्भ में ही हिंदी भाषा सम्बन्धी सामान्य जानकारी देना अत्यंत आवश्यक है। साथ ही पूरी दुनिया ने वैश्वीकरण के युग में प्रवेश कर लिया है। बाज़ार और व्यवसाय ने देशों की सीमायें लांघ दी हैं। अतः ऐसे में भाषा का मजबूत होना आवश्यक है। यह पाठ्यक्रम बाजारवाद और भूमंडलीकरण की वैश्विक गति के बीच से ही हिंदी भाषा और उसकी लिपि के माध्यम से ही राष्ट्रीय प्रगति को भी सुनिश्चित करेगा।

क्योंकि सशक्त भाषा के बिना किसी राष्ट्र की उन्नति संभव नहीं है। यह पाठ्यक्रम वर्तमान सन्दर्भों के अनुकूल है। साथ ही इस पाठ्यक्रम का आधुनिक रूप रोजगारपरक भी है।

Course Learning Outcomes:

प्रथम वर्ष पाठ्यक्रम के शिक्षण के निम्नलिखित परिणाम सामने आयेंगे:

1. उपयुर्क्त पाठ्यक्रम के माध्यम से हिंदी भाषा के सैद्धांतिक पहलू के साथ-साथ व्यावहारिक रूप का ज्ञान प्राप्त किया जा सकेगा।
2. हिंदी भाषा की उच्च शैक्षिक स्तर की भूमिका के महत्वपूर्ण पक्ष को जाना जा सकेगा।
3. वैश्विक युग में भाषा को सिद्धांतों के साथ-साथ व्यावहारिक रूप से भी जोड़ना होगा। अतः यह पाठ्यक्रम वर्तमान सन्दर्भों के भी अनुकूल है।
4. भाषा के बदलते परिदृश्य को आरम्भ से अब तक की प्रक्रिया में समझना बहुत आवश्यक है। यह पाठ्यक्रम भाषा के आरम्भ से वर्तमान को विविध आयामों में प्रस्तुत करता है जो विद्यार्थियों के लिए उपयोगी होगा।
5. शिक्षा को रोजगार से जोड़ना अत्यंत आवश्यक है, यह पाठ्यक्रम भाषा की इस मांग को भी प्रस्तुत करता है।

इकाई -1. हिन्दी भाषा का विकास की पूर्वपीठिका

प्रमुख भाषा परिवार और हिन्दी

हिन्दी का प्रारंभिक रूप

अवहट्ठ और पुरानी हिन्दी

इकाई-2.हिन्दी की प्रमुख विभाषाएं और बोलियाँ

विभाषा -पूर्वी हिन्दी, पश्चिमी हिन्दी, बिहारी हिन्दी, राजस्थानी हिन्दी और पहाड़ी

प्रमुख बोलियाँ :-ब्रज ,अवधी ,भोजपुरी

इकाई-3. आधुनिक युग में हिन्दी

अंग्रेजों की भाषा-नीति

खड़ीबोली आन्दोलन

राजभाषा के रूप में हिन्दी

इकाई-4. देवनागरी लिपि

देवनागरी लिपि का परिचय एवं विकास

देवनागरी लिपि का मानकीकरण

अनुमोदित ग्रंथः

1. हिन्दी भाषा का इतिहास — भोलानाथ तिवारी
2. हिन्दी भाषा — हरदेव बाहरी
3. पुरानी हिन्दी — चंद्रधर शर्मा गुलेरी
4. भारत की भाषा समस्या — रामविलास शर्मा
5. हिन्दी भाषा में अपभ्रंश का योग — नामवर सिंह
6. हिन्दी भाषा का उद्भव और विकास — उदयनारायण तिवारी
7. हिन्दी भाषा विज्ञान
   किशोरीदास वाजपेयी
8. हिन्दी भाषा का समाजशास्त्र — रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव
9. हिन्दी भाषा
   श्यामसुंदर दास
10. भाषा और समाज
    रामविलास शर्मा

अतिरिक्त सहायक-ग्रन्थ:

1. भारतीय पुरालिपि- डॉ. रामबली पाण्डेय(लोकभारती प्रकाशन)
2. हिंदी भाषा की पहचान से प्रतिष्ठा तक- डॉ. हनुमान प्रसाद शुक्ल
3. लिपि की कहानी- गुणाकर मुले

शिक्षण अधिगम प्रक्रिया:

1 से 3 सप्ताह- इकाई 1
4 से 6 सप्ताह- इकाई 2
7 से 9 सप्ताह- इकाई 3
10 से 12 सप्ताह- इकाई 4
13 से 14 सप्ताह सामूहिक चर्चा, विशेष व्याख्यान एवं आतंरिक मूल्याङ्कन सम्बन्धी गतिविधियाँ

मूल्याङ्कन के तरीके:

1. हिंदी भाषा और देवनागरी लिपि आधारित परियोजना कार्य।
2. हिंदी भाषा की विभिन्न बोलियों का व्यावहारिक अध्ययन प्रस्तुत करना।
3. हिंदी भाषा की विविध बोलियों की विशेषताओं का व्यावहारिक अध्ययन।

4. चित्रलिपि, भाव्लिपि, ध्वनिलिपि के भाषिक नमूने तैयार करना और विश्लेषण।
5. लिपि के विकास की ऐतिहासिक परंपरा के नमूनों सहित विश्लेषण।

पाठ्यक्रम :-1.2 हिन्दी साहित्य का इतिहास -1क्रेडिट :-6

Course Objective:

- हिन्दी साहित्य के इतिहास की जानकारी
- प्रमुख इतिहास ग्रन्थों की जानकारी
- आदिकाल, मध्यकाल के इतिहास की जानकारी

Course Learning Outcomes:

- हिन्दी साहित्य के इतिहास का ज्ञान
- इतिहास ग्रन्थों का विश्लेषण
- इतिहास निर्माण की पद्धति

इकाई 1.

साहित्येतिहास की अवधारणा

साहित्येतिहास के पुनर्लेखन की समस्याएँ

हिन्दी साहित्य के इतिहास लेखन की परम्परा

इकाई 2.

हिन्दी साहित्य के इतिहास में काल-विभाजन एवं नामकरण

(आदिकाल,भक्तिकाल,रीतिकाल और आधुनिक काल के संदर्भ में)

इकाई 3.

आदिकालीन साहित्य की पृष्ठभूमि

आदिकाल की प्रवृत्तियां

इकाई 4.

आदिकालीन साहित्य का वर्गीकरण और सामान्य परिचय

सिद्ध-साहित्य ,नाथ-साहित्य,जैन-साहित्य और रासो-साहित्य

अनुमोदित ग्रंथ:

1. हिन्दी साहित्य का इतिहास रामचन्द्र शुक्ल
2. हिन्दी साहित्य और संवेदना का विकास रामस्वरूप चतुर्वेदी
3. हिन्दी साहित्य के इतिहास की समस्याएं अवधेश प्रधान
4. हिन्दी साहित्य की भूमिका हजारी प्रसाद द्विवेदी
5. हिन्दी साहित्य का आदिकाल हजारी प्रसाद द्विवेदी
6. हिन्दी साहित्य का अतीत विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
7. हिन्दी साहित्य का इतिहास सं. नगेन्द्र
8. हिन्दी साहित्य का इतिहास दर्शन नलिन विलोचन शर्मा
9. साहित्य और इतिहास दृष्टि मैनेजर पाण्डेय
10. आचार्य रामचन्द्र शुक्ल की इतिहास दृष्टि महेन्द्रपाल शर्मा
11. हिन्दी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहासरामकुमार वर्मा
12. हिन्दी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास गणपतिचन्द्र गुप्त
13. हिन्दी साहित्य का सरल इतिहास विश्वनाथ त्रिपाठी
14. हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास बच्चन सिंह
15. भक्ति-काव्य और लोक-जीवन शिवकुमार मिश्र

सहायक अनुमोदित ग्रंथ:

1. मध्यकालीन साहित्य और सौंदर्यबोध- मुकेश गर्ग
2. भक्ति आंदोलन के सामाजिक आधार- गोपेश्वर सिंह(सं.)
3. हिन्दी साहित्य का अतीत- आचार्य विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
4. हिन्दी साहित्य और संवेदना का विकास- रामस्वरूप चतुर्वेदी
5. हिन्दी साहित्य: उद्भव और विकास- आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी
6. हिन्दी साहित्य का इतिहास- डॉ. नगेन्द्र
7. हिन्दी साहित्य का आदिकाल- आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी
8. साहित्य का इतिहास दर्शन- नलिन विलोचन शर्मा
9. साहित्य और इतिहास दृष्टि- मैनेजर पाण्डेय

शिक्षण अधिगम प्रक्रिया:

कक्षा व्याख्यान, सामूहिक चर्चा

1 से 3 सप्ताह- इकाई 1

4 से 6 सप्ताह- इकाई 2

7 से 9 सप्ताह- इकाई-3

10 से 12 सप्ताह- इकाई-4

13 से 14 सप्ताह सामूहिक चर्चा, विशेष व्याख्यान एवं आंतरिक मूल्यांकन संबंधी गतिविधियां

मूल्यांकन के तरीके: टेस्ट, असाइनमेंट

सत्र:-2

पाठ्क्रम :-2.1 हिन्दी साहित्य का इतिहास – 2

क्रेडिट :-6

इकाई 1. भक्तिकाल की पृष्ठभूमि

भक्तिकाल की पृष्ठभूमि (राजनीतिक, सामाजिक , आर्थिक और धार्मिक)

भक्ति आन्दोलन के उदय के कारण

भक्ति आन्दोलन का अखिल भारतीय स्वरूप

इकाई 2. निर्गुण काव्यधारा

संतकाव्य का वैचारिक आधार और प्रमुख कवि

संतकाव्य की प्रवृत्तियां

सूफी काव्य परम्परा का वैचारिक आधार और प्रमुख कवि

सूफी काव्य की प्रमुख प्रवृत्तियां

इकाई 3. सगुण काव्यधारा

रामभक्ति काव्य का वैचारिक आधार और प्रमुख कवि

रामकाव्य की विशेषताएं

कृष्णकाव्य काव्य का वैचारिक आधार और प्रमुख कवि

कृष्णकाव्य की विशेषताएं

इकाई 4. रीतिकाल

रीतिकालीन काव्य की पृष्ठभूमि (राजनीतिक, सामाजिक , आर्थिक और धार्मिक)

नामकरण की समस्या

रीतिकालीन साहित्य की विभिन्न धाराएँ

रीतिकालीन साहित्य की प्रवृत्तियां

अनुमोदित ग्रंथः

1. हिन्दी साहित्य का इतिहास रामचन्द्र शुक्ल

2. हिन्दी साहित्य और संवेदना का विकास रामस्वरूप चतुर्वेदी
3. हिन्दी साहित्य के इतिहास की समस्याएं अवधेश प्रधान
4. हिन्दी साहित्य की भूमिका हजारी प्रसाद द्विवेदी
5. हिन्दी साहित्य का अतीत विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
6. हिन्दी साहित्य का इतिहास सं. नगेन्द्र
7. हिन्दी साहित्य का इतिहास दर्शन नलिन विलोचन शर्मा
8. साहित्य और इतिहास दृष्टि मैनेजर पाण्डेय
9. आचार्य रामचन्द्र शुक्ल की इतिहास दृष्टि महेन्द्रपाल शर्मा
10. हिन्दी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास रामकुमार वर्मा
11. हिन्दी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास गणपतिचन्द्र गुप्त
12. हिन्दी साहित्य का सरल इतिहास विश्वनाथ त्रिपाठी
14. हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास बच्चन सिंह
15. भक्ति-काव्य और लोक-जीवन शिवकुमार मिश्र

पाठ्यक्रम.2.2 हिंदी कहानी

क्रेडिट :-6

Course Objective:

- हिन्दी कहानी के उद्भव और विकास की जानकारी
- कहानी विश्लेषण की समझ
- कथा साहित्य में कहानी की स्थिति का विश्लेषण
- प्रमुख कहानियाँ और कहानीकार

Course Learning Outcomes:

- हिन्दी कथा साहित्य का परिचय
- कहानी लेखन और प्रभाव का विश्लेषण
- प्रमुख कहानीकार और उनकी कहानी के माध्यम से कहानी की उपयोगिता और विश्लेषण की समझ

इकाई 1. कहानी का विकास

(१)स्वतंत्रता पूर्व कहानी

(२)स्वतान्त्र्योतर कहानी

इकाई 2.

(१)चंद्रधर शर्मा गुलेरी :- उसने कहा था

(२) प्रेमचंद :- कफ़न

(३) रेणु :- तीसरी कसम

इकाई 3.

(१) कमलेश्वर :- डिप्टी कलक्टरी

(२) भीष्म साहनी:- चीफ की दावत

(३) मन्नू भंडारी :-यही सच है

इकाई 4 :

(१) ज्ञान रंजन : पिता

(२) ओमप्रकाश वाल्मीकि : घुसपैठिये

(३) संजीव :बाघ

<u>अनुमोदित ग्रंथ:</u>

1. कहानी: नयी कहानी नामवर सिंह
2. आज की हिन्दी कहानी विजय मोहन सिंह
3. नई कहानी :संदर्भ और प्रकृति देवीशंकर अवस्थी
4. कुछ कहानियाँ : कुछ विचार विश्वनाथ त्रिपाठी
5. कहानी : समकालीन चुनौतियाँ शम्भू गुप्त
6. हिन्दी कहानी : अस्मिता की तलाश मधुरेश
7. समकालीन कहानी का रचना विधान गंगाप्रसाद विमल
8. हिन्दी कहानी : अंतरंग पहचान रामदरश मिश्र
9. समकालीन हिन्दी कहानी पुष्पपाल सिंह
10. कहानी समय कृष्णमोहन

सहायक अनुमोदित ग्रंथ:

1. साहित्य अकादमी द्वारा प्रकाशित मोनोग्राफ- गुलेरी, प्रेमचंद, प्रसाद, जैनेन्द्र, रेणु, भीष्म साहनी, निर्मल वर्मा, अमरकान्त
2. कहानी का लोकतंत्र- पल्लव
3. पत्रिकाएँ- पहल, हंस, नया ज्ञानोदय, समकालीन भारतीय साहित्य
4. ई- पत्रिका- हिन्दी समय, गद्य कोश

शिक्षण अधिगम प्रक्रिया:

कक्षा व्याख्यान, सामूहिक चर्चा, कहानी वाचन

1 से 3 सप्ताह- इकाई 1

4 से 6 सप्ताह- इकाई 2

7 से 9 सप्ताह- इकाई 3

10 से 12 सप्ताह- इकाई 4

13 से 14 सप्ताह सामूहिक चर्चा, विशेष व्याख्यान एवं आंतरिक मूल्यांकन संबंधी गतिविधियां

मूल्यांकन के तरीके:

टेस्ट, असाइनमेंट

सत्र.3

पाठ्यक्रम:-3.1 हिंदी साहित्य का इतिहास -3

क्रेडिट:-6

Course Objective:

- साहित्येतिहास की अध्ययन प्रक्रिया में आधुनिक साहित्य के विकास का परिचय
- साहित्य के स्वरूप और प्रयोजन का ज्ञान
- साहित्य और समाज के आपसी रिश्ते और कालजयी कृतियों का परिचय

Course Learning Outcomes:

- विकास के क्रम में साहित्य के जरिये समाज और संस्कृति की पहचान के लिए साहित्येतिहास के अध्ययन का महत्व निर्विवाद है।
- साहित्येतिहास के अध्ययन का प्रयोजन साहित्य के विकास की गति और दिशा के साथ-साथ समाज के विकास को भी चिन्हित करना है।
- साहित्येतिहास के बिना साहित्य-विवेक का उचित विकास और निर्माण संभव नहीं है। अतः साहित्य-विवेक के निर्माण के लिए साहित्येतिहास का अध्ययन जरूरी है।

इकाई 1:- आधुनिक काल

आधुनिकता की अवधारणा

हिंदी नवजागरण : अवधारणा एवं विकास

इकाई 2:- भारतेंदु युग एवं द्विवेदी युग की प्रवृत्तियां ,प्रमुख कवि एवं कृतियाँ

इकाई 3:- छायावाद की प्रवृत्तियां ,प्रमुख कवि एवं कृतियाँ

इकाई 4:-प्रगतिवाद और प्रयोगवाद की प्रवृत्तियां ,
नई कविता और समकालीन कविता की प्रवृत्तियां

अनुमोदित ग्रंथः

1. हिन्दी साहित्य का इतिहास रामचंद्र शुक्ल
2. आधुनिक साहित्य की प्रवृतियाँ नामवर सिंह
3. छायावाद
   नामवर सिंह
4. कविता के नए प्रतिमान नामवर
   सिंह
5. नई कविता का आत्मसंघर्ष
   मुक्तिबोध
6. हिन्दी साहित्य का इतिहास सं. डॉ.नगेंद्र
7. हिन्दी साहित्य और संवेदना का इतिहास राम स्वरूप चतुर्वेदी
8. हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास बच्चन सिंह
9. लम्बी कविताओं का रचना-विधान :- नरेन्द्र मोहन
   (संपादन)
10. फिलहाल
    अशोक वाजपेयी
11. निराला की साहित्य साधना
    रामविलास शर्मा
12. कामायनी :एक पुनर्विचार
    मुक्तिबोध
13. सुमित्रानंदन पन्त
    डॉ.नगेन्द्र
14. महादेवी वर्मा महादेवी वर्मा इंद्रनाथ
    मदान
15. नई कविता के अंक
    जगदीश गुप्त (संपादक)

सहायक अनुमोदित ग्रंथ:

1. शिवसिंह सरोज- शिवसिंह सेंगर
2. हिन्दी नवरत्न- मिश्र बंधु
3. हिन्दी साहित्य का इतिहास- आचार्य रामचंद्र शुक्ल
4. समकालीन हिन्दी कविता- विश्वनाथ प्रसाद तिवारी
5. हिन्दी साहित्य का इतिहास- डॉ. नगेंद्र(सं.)
6. हिन्दी साहित्य का सरल इतिहास- विश्वनाथ त्रिपाठी
7. हिन्दी नाटक: नयी परख- रमेश गौतम(सं.)
8. कथेतर- माधव हाड़ा

शिक्षण अधिगम प्रक्रिया

कक्षाओं में पारंपरिक और आधुनिक तकनीकी माध्यमों की सहता से अध्ययन-अध्यापन। समूह-परिचर्चायें

कक्षा में कमजोर विद्यार्थियों की पहचान और कक्षा के बाद उनकी अतिरिक्त सहायता

1 से 3 सप्ताह- इकाई 1

4 से 6 सप्ताह- इकाई 2

7 से 9 सप्ताह- इकाई 3

10 से 12 सप्ताह- इकाई 4

13 से 14 सप्ताह सामूहिक चर्चा, विशेष व्याख्यान एवं आंतरिक मूल्यांकन संबंधी गतिविधियां

मूल्यांकन के तरीके:

सतत मूल्यांकन

असाइनमेंट के द्वारा आंतरिक मूल्यांकन

सामूहिक प्रोजेक्ट के द्वारा मूल्यांकन

सेमेस्टर के अंत में परीक्षा के द्वारा मूल्यांकन

पाठ्यक्रम :-3.2 भारतीय काव्यशास्त्र

क्रेडिट :-6

Course Objective:

- भारतीय काव्यशास्त्र की समृद्ध परंपरा की जानकारी प्राप्त होगी।
- आधुनिक हिन्दी आलोचना में भारतीय काव्यशास्त्र का प्रदेय।

Course Learning Outcomes:

- संस्कृत काव्यशास्त्र का ज्ञान प्राप्त होगा

इकाई 1.

भारतीय साहित्य सिद्धांत : विभिन्न सम्प्रदायों का सामान्य परिचय

इकाई 2.रस-संप्रदाय

रस की परिभाषा

रस का स्वरूप ,रस के अवयव और रस के प्रकार

रस सूत्र ,रस निष्पत्ति और उसके प्रमुख व्याख्याकार

साधारणीकरण

इकाई 3.काव्य-लक्षण एवं हेतु

काव्य का अर्थ और काव्य के लक्षण

काव्य-हेतु,काव्य प्रयोजन

इकाई 4. काव्य-प्रयोजन ,शब्द-शक्ति ,अलंकार और छंद

अनुमोदित ग्रंथ:-

1. काव्यशास्त्र की भूमिका — डॉ. नगेन्द्र
2. भारतीय काव्यशास्त्र — सत्यदेव चौधरी
3. साहित्य चिंतन — देवेन्द्र इस्सर
4. साहित्य सिद्धांत — रेनेवेलेक, ऑस्टिन वारेन
5. रस-सिद्धांत का पुनर्विवेचन — डॉ. गणपतिचंद्र गुप्त
6. भारतीय साहित्यशास्त्र — बलदेव उपाध्याय
7. संरचनावाद,उत्तर- संरचनावाद एवं प्राच्य काव्यशास्त्र — गोपीचंद नारंग
8. भारतीय तथा पाश्चात्य काव्यशास्त्र का संक्षिप्त विवेचन :सत्यदेव चौधरी एवं शांतिस्वरुप चौधरी
9. काव्यशास्त्र — भागीरथ मिश्र

10. भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र
गणपति चन्द्र गुप्त

सहायक अनुमोदित ग्रंथ:

1. काव्य के तत्व- देवेन्द्रनाथ शर्मा
2. काव्यशास्त्र- भागीरथ मिश्र
3. साधरणिकरण और कवयसवाद- राजेंद्र गौतम
4. साहित्य का स्वरूप- नित्यानन्द तिवारी

शिक्षण अधिगम प्रक्रिया:

कक्षा व्याख्यान, सामूहिक चर्चा
1 से 3 सप्ताह- इकाई 1
4 से 6 सप्ताह- इकाई 2
7 से 9 सप्ताह- इकाई 3
10 से 12 सप्ताह- इकाई 4
13 से 14 सप्ताह सामूहिक चर्चा, विशेष व्याख्यान एवं आंतरिक मूल्यांकन संबंधी गतिविधियां

मूल्यांकन के तरीके

टेस्ट, असाइनमेंट

सत्र.4

पाठ्यक्रम:-4.1 हिंदी कविता : आदिकाल और मध्यकाल

क्रेडिट:-6

Course Objectives:

- हिन्दी साहित्य के आदिकालीन और भक्तिकालीन साहित्य से अवगत कराना।
- आदिकाल के दो प्रमुख कवियों- अमीर खुसरो और विद्यापति की विशिष्ट भूमिका रही है। इससे विद्यार्थियों को अवगत कराना।

- भक्तिकाल के अंतर्गत- संतकाव्य, प्रेमाख्यानक काव्य, रामकाव्य और कृष्णकाव्य के प्रमुख कवियों- कबीर, मंझन, तुलसीदास और सूरदास का अध्ययन करना और हिन्दी साहित्य में उनके योगदान की चर्चा करना।
- भक्तिकाल में मीरा का महत्वपूर्ण स्थान है। युगीन संदर्भों में उनका काव्य विशेष रूप से उल्लेखनीय है। स्त्री-विमर्श की दृष्टि से भी मीरा-काव्य विशिष्ट है।

Course Learning Outcomes:

- आदिकाल के परिवेश- राजनीतिक, सामाजिक, सांस्कृतिक, धार्मिक परिस्थितियों से भली-भांति परिचित हो सकेंगे।
- आदिकाल में अमीर खुसरो के साहित्यिक और संगीत के क्षेत्र में योगदान से परिचित हो सकेंगे।
- भक्तिकाल हिन्दी साहित्य का स्वर्ण युग है। इसके अध्ययन से मानवीय और नैतिक मूल्यों का विकास होगा।
- भक्तिकालीन साहित्य में सामानती व्यवस्था का विरोध हुआ, यह इस काव्य की विशिष्ट उपलब्धि है।

इकाई 1. (२) गोरखनाथ, विद्यापति और खुसरो

निर्धारित पाठ गोरखनाथ सबदी संख्या :१ से ४

आदिकालीन काव्य :संपादक वासुदेव सिंह ,विश्वविद्यालय प्रकाशन ,वाराणसी

विद्यापति : पदावली (संपादक आचार्य श्री राम लोचन शरण)

वंदना : 1 राधा की वंदना, श्रीकृष्ण का प्रेम (35), राधा का प्रेम (36)

अमीर खुसरो : व्यक्तित्व एवं कृतित्व (परमानंद पंचाल)

कव्वाली (१), गीत (४), (१३)

इकाई 2.

कबीर दास और जायसी

पद : कबीर

१.हमारे गुर दीन्हीं अजब जरी

२.दुलहिनी गावहु मंगलाचार

३.संतो ई मुरदन कै गाऊं

४.हम न मरै मरिहैं संसारा

जायसी : (मानसरोदर खंड ,जायसी ग्रंथावली,संपादक :-रामचंद्र शुक्ल)

इकाई 3.सूरदास और तुलसीदास

पद : सूरदास

१.अविगत गति कछु कहत न आवै

२.बूझत स्याम कौन तू गोरी

तुलसीदास :अयोध्या कांड (रामचरितमानस)

चलत पयादें खात फल ....से लेकर राम सैल सोभा निरखि ...तक (छंद संख्या 222 से 226)

इकाई 4.

बिहारी और घनान्द

बिहारी : बिहारी रत्नाकर : श्री जगरनाथदस रत्नाकर, शिवाला, वाराणसी, छंद संख्या -१,

१०३, १४३, ३४७, 388

घनानंद ग्रंथावली : सं. विश्वनाथ प्रसाद मिश्र, वाणी-वितांग, वाराणसी सुजान हित, पद संख्या : १, १८, ३८, ४९, ५४

अनुमोदित ग्रंथ:-

1.हिन्दी साहित्य का इतिहास रामचन्द्र शुक्ल

1. आदिकाल हजारी प्रसाद द्विवेदी
2. हिन्दी काव्यधारा राहुल सांकृत्यायन
3. आदिकालीन हिन्दी साहित्य शम्भुनाथ पाण्डेय
4. हिन्दी साहित्य और संवेदना का विकास रामस्वरूप चतुर्वेदी
5. हिन्दी साहित्य के इतिहास की समस्याएं अवधेश प्रधान
6. हिन्दी साहित्य की भूमिका हजारी प्रसाद द्विवेदी
7. हिन्दी साहित्य का अतीत विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
8. हिन्दी साहित्य का इतिहास सं. नगेन्द्र
9. हिन्दी साहित्य का इतिहास दर्शन नलिन विलोचन शर्मा
10. साहित्य और इतिहास दृष्टि मैनेजर पाण्डेय
11. हिन्दी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास रामकुमार वर्मा

12. हिन्दी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास गणपतिचन्द्र गुप्त

15. भक्ति-काव्य और लोक-जीवन शिवकुमार मिश्र

16. मध्यकालीन बोध का स्वरूप हजारी प्रसाद दिवेद्वी

1. सूरदास रामचन्द्र शुक्ल
2. भक्ति आंदोलन और सूरदास का काव्य मैनेजर पाण्डेय
3. तुलसी रामचन्द्र शुक्ल
4. तुलसी उदयभानु सिंह
5. कबीर हजारीप्रसाद दिवेद्वी
6. जायसी विजयदेव नारायण साही
7. जायसी सं. सदानंद साही
8. पद्यावत का मूल्यांकन डॉ. जगदीश प्रसाद श्रीवास्तव, डॉ. हरेन्द्र प्रताप सिन्हा

10. सूफी मतः साधना और साहित्य रामपूजन तिवारी

11. हिन्दी काव्य की निर्गुण धारा में भक्ति श्यामसुंदर शुक्ल

13. अकथ कहानी प्रेम की पुरूषोत्तम अग्रवाल

14.भक्तिकाव्य :मूल्याङ्कन और मूल्याङ्कन कुमार वरुण (संपादक)

सहायक अनुमोदित ग्रंथ:

1. राष्ट्रीय एकता, वर्तमान समस्याएँ और भक्ति साहित्य- कैलाश नारायण तिवारी
2. मध्यकालीन कृष्ण काव्य की सौंदर्यचेतना- पूरनचंद टंडन
3. तुलसीदास का काव्य-विवेक और मर्यादबोध- कमलानन्द झा
4. भक्ति आंदोलन और काव्य- गोपेश्वर सिंह

शिक्षण अधिगम प्रक्रिया:

- निर्धारित पदों का विद्यार्थियों द्वारा वाचन
- निर्धारित कवियों पर विचार-विमर्श
- पदों के कथ्य और संवेदना के स्तर पर विभिन्न पक्षों को वर्तमान की स्थितियों के परिप्रेक्ष्य में देखना
- कवियों की भाषा की प्रकृति और उसकी प्रभावकारिता को खोजना
- तत्कालीन परिस्थितियों में कवियों का विश्लेषण

1 से 3 सप्ताह- इकाई 1

4 से 6 सप्ताह- इकाई 2

7 से 9 सप्ताह- इकाई 3

10 से 12 सप्ताह- इकाई 4

13 से 14 सप्ताह सामूहिक चर्चा, विशेष व्याख्यान एवं आंतरिक मूल्यांकन संबंधी गतिविधियां

मूल्यांकन के तरीके

टेस्ट, असाइनमेंट

पाठ्यक्रम. 4.2-प्रयोजनमूलक हिंदी

क्रेडिट :-6

इकाई 1.

प्रयोजनमूलक हिंदी : अभिप्राय और परिव्याप्ति एवं प्रयोगात्मक क्षेत्र

इकाई 2. प्रयोजनमूलक हिंदी के विविध आयाम

कार्यालयी हिंदी

विज्ञापन की हिंदी

राजभाषा हिंदी

वाणिज्यिक हिंदी

इकाई 3.

कार्यालयी हिन्दी के अनुप्रयुक्ति क्षेत्र :- पत्र-लेखन एवं उसके प्रकार

प्रारूप - लेखन, टिप्पण , प्रतिवेदन , परिपत्र

इकाई 4. जनसंचार माध्यम

जनसंचार : अभिप्रायऔरमहत्व

जनसंचारलेखनकेविविधरूप

जनसंचारलेखनकीभाषा

अनुमोदित ग्रंथ:

1.प्रयोजन मूलक हिन्दी	दंगल झाल्टे
2. हिन्दी भाषा	हरदेव बाहरी
3.पुरानी हिन्दी	चंद्रधर शर्मा गुलेरी
4.भारत की भाषा समस्या	रामविलास शर्मा

5.हिन्दी भाषा में अपभ्रंश का योग नामवर सिंह
6.हिन्दी भाषा का उद्भव और विकास

पाठ्यक्रम :4.3 हिन्दी उपन्यास
क्रेडिट :-4

Course Objective:

- हिन्दी उपन्यास के उद्भव और विकास की जानकारी
- प्रमुख साहित्यकार और उनके उपन्यासों की चर्चा
- कथा साहित्य विश्लेषण पद्धति

Course Learning Outcomes:

- उपन्यास के विश्लेषण की पद्धति
- हिन्दी उपन्यास के उद्भव और विकास का ज्ञान प्रमुख लेखकों के उपन्यास का परिचय

इकाई 1. हिंदी उपन्यास : उद्भव एवं विकास

(१) प्रारंभिक उपन्यास,प्रेमचंदयुगीन उपन्यास
(२) प्रेमचंदोत्तर उपन्यास ,समकालीन उपन्यास

इकाई 2. हिन्दी उपन्यास

(१) प्रेमचंद :-गोदान

इकाई 3. हिन्दी उपन्यास

(२) अज्ञेय :-शेखर एक जीवनी,भाग _1

इकाई 4. हिन्दी उपन्यास

(3)मैला आँचल

<u>अनुमोदित ग्रंथ:</u>

1.उपन्यास का उदय आयन वॉट
2.हिन्दी उपन्यास : एक अन्तर्यात्रा रामदरश मिश्र
3.हिन्दी उपन्यास : पहचान और परख इंद्रनाथ मदान

4.हिन्दी उपन्यास : 1950 के बाद	सं. निर्मला जैन
5.उपन्यास और लोकजीवन	राल्फ फॉक्स
6.हिन्दी उपन्यास का विकास	मधुरेश
7.उपन्यास का पुनर्जन्म	परमानंद श्रीवास्तव
8.हिन्दी उपन्यास : स्थिति और गति	चंद्रकांत वांदिवड़ेकर
9.आधुनिक हिन्दी उपन्यास	सं. नामवर सिंह
10.हिन्दी उपन्यास का इतिहास	गोपाल राय

सहायक अनुमोदित ग्रंथ:

1. आस्था और सौंदर्य- रामविलास शर्मा
2. प्रेमचंद- सत्येंद्र(सं.)
3. सृजनशीलता का संकट- नित्यानन्द तिवारी
4. हिन्दी उपन्यास- नामवर सिंह(सं.)
5. आलोचना की सामाजिकता- मैनेजर पाण्डेय

शिक्षण अधिगम प्रक्रिया:

कक्षा व्याख्यान, सामूहिक चर्चा

1 से 3 सप्ताह- इकाई 1

4 से 6 सप्ताह- इकाई 2

7 से 9 सप्ताह- इकाई 3

10 से 12 सप्ताह- इकाई 4

13 से 14 सप्ताह सामूहिक चर्चा, विशेष व्याख्यान एवं आंतरिक मूल्यांकन संबंधी गतिविधियां

मूल्यांकन के तरीके

टेस्ट, असाइनमेंट

सत्र:-5.

पाठ्यक्रम:-5.1.पाश्चात्य काव्यशास्त्र

क्रेडिट :-6

Course Objective

- पाश्चात्य काव्यशास्त्र की समझ विकसित करना
- चिंतन के नए आयामों की ओर आकर्षण विकसित करना

- साहित्यिकता की नयी समझ की ओर कदम बढ़ाना

Course Learning Outcomes

- प्राचीन से आधुनिकता की ओर आते हुए विकसित हो रहे पश्चिमी काव्यशास्त्रीय चिंतन-धारा की समझ विकसित होगी।
- नयी विचारधाराओं और साहित्यिकता का ज्ञान प्राप्त होगा।

इकाई 1.

(१) पाश्चात्य साहित्यालोचन के विकास का सामान्य परिचय

(२) प्लेटो :काव्य-दृष्टि

इकाई 2.

(१) अरस्तू:अनुकरण सिद्धांत ,विरेचन सिद्धान्त

(२) लौंजाइनस :उदात्त की अवधारणा

इकाई 3.

(१) टी.एस.इलियट :निर्वौक्तिकता का सिद्धान्त ,परम्परा का सिद्धान्त

(२) आई.ए.रिचर्डस :मूल्य- सिद्धान्त,सम्प्रेषण - सिद्धान्त

इकाई 4.

(१) वर्डस्वर्थ : कविता सम्बन्धी मान्यताएं, काव्य भाषा सम्बन्धी मान्यताएं

(२) कोलरिज : कल्पना सिद्धांत

अनुमोदित ग्रंथ:

1. नई समीक्षा के प्रतिमान — निर्मला जैन
2. साहित्य चिंतन — देवेन्द्र इस्सर
3. पाश्चात्य साहित्य चिंतन — निर्मला जैन, कुसुम बांठिया
4. मार्क्सवाद क्या है — यशपाल
5. आज के जमाने में मार्क्सवाद का महत्व — एजाज अहमद
6. संरचनावाद, उत्तर-संरचनावाद एवं प्राच्य काव्यशास्त्र — गोपीचंद नारंग
7. मार्क्सवादी साहित्य चिंतन — डॉ. शिवकुमार मिश्र
8. आधुनिक परिवेश और अस्तित्तववाद — शिवप्रसाद सिंह

9. अस्तित्त्ववाद और मानववाद ज्यां पॉल सार्त्र
10. आधुनिकतावाद और साहित्य दुर्गा प्रसाद गुप्त
11. आधुनिकतावाद दुर्गा प्रसाद गुप्त
12. उत्तर-आधुनिकता और उत्तर-संरचनावाद सुधीश पचौरी
13. साहित्य सिद्धांत रेनेवेलेक, ऑस्टिन वारेन
14. उत्तर-आधुनिकता : विभ्रम और यथार्थ रवि श्रीवास्तव
15. आधुनिकतावाद और यथार्थवाद दुर्गा प्रसाद गुप्त

सहायक अनुमोदित ग्रंथ:

1. आस्था के चरण- नगेंद्र
2. हिन्दी आलोचना के बीज शब्द- बच्चन सिंह
3. आलोचना से आगे- सुधीश पचौरी
4. मिथकीय अवधारणा और यथार्थ- रमेश गौतम

शिक्षण अधिगम प्रक्रिया:

कक्षा व्याख्यान, सामूहिक चर्चा

1 से 3 सप्ताह- इकाई 1

4 से 6 सप्ताह- इकाई 2

7 से 9 सप्ताह- इकाई 3

10 से 12 सप्ताह- इकाई 4

13 से 14 सप्ताह सामूहिक चर्चा, विशेष व्याख्यान एवं आंतरिक मूल्यांकन संबंधी गतिविधियां

मूल्यांकन के तरीके

टेस्ट, असाइनमेंट

पाठ्क्रम:-5.2आधुनिक कविता:भारतेंदु युग से छायावाद तक क्रेडिट :-6

Course Objective:

- आधुनिक कविता से परिचय

- रचना-प्रक्रिया और विश्लेषण
- प्रमुख कवि और उनकी समस्याओं का अध्ययन

Course Learning Outcomes:

- आधुनिक कविता की समझ विकसित होगी
- साहित्यिकता और समकालीन परिवेश के मध्य संबंध का विश्लेषण
- कविताओं के वाचन, लेखन, विश्लेषण और परिवेश की समझ विकसित होगी

इकाई १. भारतेंदु हरिश्चंद

प्रेम सरोवर

नए ज़माने की मुकरी

हिन्दी उन्नति पर व्याख्यान

इकाई 2 .मैथिली शरण गुप्त

शिक्षा की अवस्था

सखि,वे मुझसे कह कर जाते

इकाई 3.छायावाद -1

(1).जयशंकर प्रसाद

ले चल वहां भुलावा देकर

(2).सूर्यकांत त्रिपाठी "निराला"

जूही की कली

इकाई 4.

(1).सुमित्रानंदन पन्त

नौका विहार

(2).महादेवी वर्मा

पंथ होने दो अपरिचित

अनुमोदित ग्रंथ:-

1.भारतेंदु हरिश्चंद और हिन्दी नवजागरण की समस्याएं :-रामविलास शर्मा

2.कविता से साक्षात्कार :-मलयज

3.लम्बी कविताओं का रचना-विधान :-नरेन्द्र मोहन (संपादन)

4.साकेत :एक अध्ययन :-डॉ.नगेन्द्र

5.निराला की साहित्य साधना :-रामविलास शर्मा
6.कामायनी :एक पुनर्विचार :-मुक्तिबोध
7.सुमित्रानंदन पन्त :- डॉ.नगेन्द्र
8.कवि सुमित्रानंदन पन्त:-नंददुलारे वाजपेयी
9. महादेवी वर्मा महादेवी वर्मा:-इंद्रनाथ मदान
10. पन्त,प्रसाद और गुप्त :-रामधारी सिंह दिनकर
11. महादेवी :-दूधनाथ सिंह

सहायक अनुमोदित ग्रंथ:

1. मोनोग्राफ- भारतेन्दु, मैथिलीशरण गुप्त, निराला, प्रसाद, दिनकर, सुभद्राकुमारी चौहान
2. हिन्दी साहित्य के इतिहास पर कुछ नोट्स- डॉ. रसाल सिंह

शिक्षण अधिगम प्रक्रिया:

कक्षा व्याख्यान, सामूहिक चर्चा, कविता-वाचन
1 से 3 सप्ताह- इकाई 1
4 से 6 सप्ताह- इकाई 2
7 से 9 सप्ताह- इकाई 3
10 से 12 सप्ताह- इकाई 4
13 से 14 सप्ताह सामूहिक चर्चा, विशेष व्याख्यान एवं आंतरिक मूल्यांकन संबंधी गतिविधियां

मूल्यांकन के तरीके

टेस्ट, असाइनमेंट

सत्र.6

पाठ्यक्रम:6.1.हिन्दी आलोचना **क्रेडिट- 6**

Course Objective:

- आलोचना के सैद्धान्तिक और व्यावहारिक समझ विकसित करना
- रचना का विश्लेषण करने में सक्षम बनाना
- रचना के गुण-दोष विवेचन की क्षमता विकसित करना
- रचना और जीवन के प्रति आलोचकीय विवेक विकसित करना

Course Learning Outcomes:

- विद्यार्थियों में आलोचना की सैद्धान्तिक और व्यावहारिक समझ विकसित होगी
- रचना के गुण-दोष का विवेचन करने योग्य बन सकेंगे
- रचना के विश्लेषण की क्षमता विकसित होगी
- रचना और जीवन के प्रति आलोचकीय विवेक का विकास होगा

इकाई 1. हिंदी आलोचना का विकास : भारतेंदु युग से द्विवेदी युग तक

इकाई 2. छायावादी युगीन आलोचना: पाठ आधारित

रामचंद्र शुक्ल : काव्य में लोकमंगल की साधनावस्था

प्रेमचंद : साहित्य का उद्देश्य

प्रसाद : छायावाद और यथार्थवाद

हजारी प्रसाद द्विवेदी : आधुनिक साहित्य : नई मान्यताएं

इकाई 3. हिन्दी आलोचना की प्रमुख प्रवृत्तियां –

मार्क्सवाद,

मनोविश्लेषणवाद

अस्तित्ववाद

इकाई 4. हिन्दी के प्रमुख आलोचक :-

नन्ददुलारे वाजपेयी, रामविलास शर्मा

नामवर सिंह, मैनेजर पाण्डेय

अनुमोदित ग्रंथ:

1. नई समीक्षा के प्रतिमान — निर्मला जैन
2. साहित्य चिंतन — देवेन्द्र इस्सर
3. पाश्चात्य साहित्य चिंतन — निर्मला जैन, कुसुम बांठिया
4. मार्क्सवाद क्या है — यशपाल

5. आज के जमाने में मार्क्सवाद का महत्व — एजाज अहमद
6. संरचनावाद, उत्तर-संरचनावाद एवं प्राच्य काव्यशास्त्र — गोपीचंद नारंग
7. मार्क्सवादी साहित्य चिंतन — डॉ. शिवकुमार मिश्र
8. आधुनिक परिवेश और अस्तित्तववाद — शिवप्रसाद सिंह
9. अस्तित्तववाद और मानववाद — ज्यां पॉल सार्त्र
10. आधुनिकतावाद और साहित्य — दुर्गा प्रसाद गुप्त
11. आधुनिकतावाद — दुर्गा प्रसाद गुप्त
12. उत्तर-आधुनिकता और उत्तर-संरचनावाद — सुधीश पचौरी
13. साहित्य सिद्धांत — रेनेवेलेक, ऑस्टिन वारेन
14. उत्तर-आधुनिकता : विभ्रम और यथार्थ — रवि श्रीवास्तव
15. आधुनिकतावाद और यथार्थवाद — दुर्गा प्रसाद गुप्त

सहायक अनुमोदित ग्रंथ:

1. आचार्य रामचंद्रा शुक्ल- हिन्दी साहित्य का इतिहास
2. आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी- हिन्दी साहित्य की भूमिका
3. नामवर सिंह- दूसरी परंपरा की खोज
4. निर्मल वर्मा- शब्द और स्मृति
5. नेमिचन्द जैन- अधूरे साक्षात्कार
6. विजयदेवनारायण शाही- छठवाँ दशक
7. सुरेन्द्र चौधरी- हिन्दी कहानी: प्रक्रिया और पाठ
8. कृष्णदत्त शर्मा- मुक्तिबोध की आलोचना दृष्टि
9. विश्वनाथ त्रिपाठी- हिन्दी आलोचना

शिक्षण अधिगम प्रक्रिया:

कक्षा व्याख्यान, सामूहिक चर्चा और चयनित विषयों पर सेमिनार का आयोजन

1 से 3 सप्ताह- इकाई 1

4 से 6 सप्ताह- इकाई 2

7 से 9 सप्ताह- इकाई 3

10 से 12 सप्ताह- इकाई 4

13 से 14 सप्ताह सामूहिक चर्चा, विशेष व्याख्यान एवं आंतरिक मूल्यांकन संबंधी गतिविधियां

मूल्यांकन के तरीके

टेस्ट, असाइनमेंट

पाठ्यक्रम:-6.2. हिन्दी निबंध और अन्य विधाएं

क्रेडिट :-6

Course Objective

- अन्य गद्य विधाओं की जानकारी
- विश्लेषण पद्धति
- प्रमुख गद्य विधाओं की चुनी हुई समस्याओं का अवलोकन

Course Learning Outcomes:

- कथेतर साहित्य का परिचय
- विश्लेषण और रचना प्रक्रिया की समझ
- प्रमुख हस्ताक्षरों का परिचय

इकाई 1. निबंध का सामान्य परिचय और इतिहास,

सरदारपूर्ण सिंह : मजदूरी और प्रेम

विद्यानिवास मिश्र : तुम चन्दन हम पानी

इकाई 2. जीवनी और आत्मकथा का सामान्य परिचय और इतिहास

पाण्डेय वेचन शर्मा उग्र : अपनी खबर

रामविलास शर्मा : निराला की साहित्य साधना भाग एक से नये संघर्ष

इकाई 3. रेखाचित्र और संस्मरण का सामान्य परिचय और इतिहास

जानकी बल्लभ शास्त्री : अज्ञेय के साथ

रामवृक्ष बेनीपुरी : सुभान खां, माटी की मूरतें ग्रंथावली से

इकाई 4. रिपोर्ताज और यात्रा-वृत्तान्त का सामान्य परिचय और इतिहास

रांगेय राघव :बाँध भंगे दाओ

राहुल सांकृतायन : अथातौ घुमक्कड़ जिज्ञासा

अनुमोदित ग्रंथ:

1. आधुनिक हिन्दी साहित्य लक्ष्मीसागर वार्ष्णेय
2. हिन्दी का गद्य साहित्य रामचंद्र तिवारी
3. आधुनिक साहित्य नंददुलारेवाजपेयी
4. हिन्दी गद्य का उद्भव और विकास विजयेन्द्र स्नातक
5. साहित्य में गद्य की नई विविध विधाएँ कैलाशचंद भाटिया
6. आधुनिक साहित्य का इतिहास बच्चन सिंह
7. काव्य के रूप गुलाब राय
8. आधुनिक गद्य की विधाएँ उदयभानु सिंह
9. साहित्यिक विधाएँ : पुनर्विचार हरिमोहन
10. भारतीय समीक्षा सिद्धान्त सूर्यनारायण द्विवेदी
11. निबंध निलय :-सतेन्द्र
12. हिन्दी साहित्यकोश भाग-२:-धीरेन्द्र वर्मा (संपादक)
13. हिन्दी निबंध और निबंधकार :-रामचंद्र तिवारी
14. निबंध और निबंध :-उमाकांत त्रिपाठी
15. हिंदी गद्य -विन्यास और विकास :-रामस्वरूप चतुर्वेदी

शिक्षण अधिगम प्रक्रिया:

कक्षा व्याख्यान, सामूहिक चर्चा

1 से 3 सप्ताह- इकाई 1

4 से 6 सप्ताह- इकाई 2

7 से 9 सप्ताह- इकाई 3

10 से 12 सप्ताह- इकाई 4

13 से 14 सप्ताह सामूहिक चर्चा, विशेष व्याख्यान एवं आंतरिक मूल्यांकन संबंधी गतिविधियां

मूल्यांकन के तरीके

टेस्ट, असाइनमेंट

पाठ्यक्रम:-6.3हिन्दी कविता : छायावादोत्तर कविता क्रेडिट :-6

Course Objective:

पाठ्यक्रम का उद्देश्य हिन्दी साहित्य के इतिहास के छायावादी कविता के बाद के समय को सशक्त ढंग से प्रस्तुत करना रहा है। हिन्दी विशेष को पढ़ने वाले विद्यार्थियों के लिए यह आवश्यक है कि वे हिन्दी कविता के प्रत्येक बदलते परिदृश्य को पाठ्यक्रम के अनुक्रम में अच्छे से जान सकें। पाठ्यक्रम का यह पक्ष आधुनिक हिन्दी कविता के स्वर्ण युग माने जाने वाले छायावाद के बाद की कविता के पक्ष को उजागर करता है। इस पाठ्यक्रम के उद्देश्य को निम्नांकित बिन्दुओं के माध्यम से जाना जा सकता है:-

1. छायावाद के बाद की कविताओं में निहित भाव-सौन्दर्य से विद्यार्थियों को परिचित कराना।
2. कविता के मूल भावपक्ष को हृदयंगम करने में सक्षम बनाना।
3. कवि की अनुभूतियों तथा कल्पना को समझने योग्य बनाना।
4. विद्यार्थियों को काव्य सौन्दर्य, काव्यानुभूति को समजहने, परखने योग्य बनाना।
5. कविताओं के माध्यम से युग-बोध पर विचार कराना।
6. कविता में व्यक्त जीवन के गुण-दोष इत्यादि का बोध कराना।
7. कविता विशेष में निहित विचार विशेष से विद्यार्थियों में उदात्त भाव का संचरण कराना।

Course Learning Outcomes:

सीखने-सिखाने की इस प्रक्रिया में निम्नांकित परिणाम सामने आएंगे:-

1. इस पाठ्यक्रम के माध्यम से छत्र हिन्दी कविता को काल विशेष के संदर्भ में गहन रूप से जानकारी प्राप्त कर सकेंगे।
2. उच्च शैक्षिक स्तर पर हिन्दी कविता किस प्रकार महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है, इस विषय को इस पाठ्यक्रम से गंभीरता से जाना जा सकता है।
3. छात्र कविता सीखने के साथ-साथ वैचारिक मूल्यों को भी जान सकेंगे।
4. कविता के दोनों पक्षों, भाव-सौन्दर्य और कला-सौन्दर्य को जाना जा सकेगा।
5. आज भूमंडलीकरण का युग है, हिन्दी कविता अन्य देशों में भी मानवीय आचरण को सुदृढ़ करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है। यह पाठ्यक्रम मानवीयता के विविध पहलुओं को हृदयंगम करने में समर्थ है।

इकाई 1.

(१) नागार्जुन : अकाल और उसके बाद ,यह तुम थीं

(२) केदारनाथ अग्रवाल :-मैंने उसको जब-जब देखा ,हे मेरी तुम !

इकाई 2.

(१) अज्ञेय :-हरी घास पर क्षण भर ,दीप अकेला,नदी के द्वीप

(२)शमशेर :- बात बोलेगी , काल तुझसे होड़ है मेरी

इकाई 3.

(१) धूमिल :- मोचीराम, रोटी और संसद

(२) केदारनाथ सिंह :-सुई और तागे के बीच में, पानी की प्रार्थना

इकाई 4.

(१) राजेश जोशी : बच्चे काम पर जा रहे हैं, आदतों के बारे में

(२) अरुण कमल :धार, नये इलाके में

<u>अनुमोदित ग्रंथ:</u>

1. छायावादोत्तर हिन्दी कविता की प्रवृत्तियाँ	त्रिलोचन पाण्डेय
2. कविता के नए प्रतिमान	नामवर सिंह
3. आधुनिक साहित्य की प्रवृत्तियाँ	नामवर सिंह
4. तारसप्तक की भूमिका	अज्ञेय
5. नई कविता और अस्तित्ववाद	रामविलास शर्मा
6. विपक्ष का कवि धूमिल	राहुल
7. मुक्तिबोध की कविताई	अशोक चक्रधर
8. अज्ञेय : कवि और काव्य	राजेन्द्र प्रसाद
9. त्रिलोचन के बारे में	सं. गोबिंद प्रसाद
10.केदारनाथ सिंह : बिंब से आख्यान तक	गोबिंद प्रसाद
11.समकालीन कविता	विश्वनाथ प्रसाद त्रिपाठी
12.हिन्दी साहित्य : बीसवीं शताब्दी	नंददुलारे वाजपेयी
13.आधुनिक हिन्दी साहित्य	नंददुलारे वाजपेयी

सहायक अनुमोदित ग्रंथ:

1. समकालीन और साहित्य- राजेश जोशी
2. आधुनिक कविता यात्रा- रामस्वरूप चतुर्वेदी
3. अज्ञेय साहित्य: प्रयोग और मूल्यांकन- केदार शर्मा

4. हिन्दी नवगीत: उद्भव और विकास- राजेंद्र गौतम
5. हिन्दी नवगीत: युगीन संदर्भ- रामनारायण पटेल
6. नयी कविता और उसका मूल्यांकन- सुरेशचन्द्र सहगल
7. नयी कविता के प्रतिमान- लक्ष्मीकान्त वर्मा
8. छठवाँ दशक- विजयदेव नारायण शाही
9. हिन्दी साहित्य के इतिहास पर कुछ नोट्स- डॉ. रसाल सिंह

शिक्षण अधिगम प्रक्रिया:

सीखने की इस प्रक्रिया में हिन्दी कविता को मजबूती प्रदान करना है। कालक्रम से विद्यार्थी छायावाद के बाद के युग-बोध क ठीक से जान सकेंगे जो वर्तमान संदर्भों के अनुकूल होगा। छात्र कविता के माध्यम से उसमें निहित मानवतावादी दृष्टिकोण को बेहतर तरीके से जान सकेंगे। हिन्दी भाषा आज तेजी से वैश्वीकृत हो रही है। ऐसे में कविता की भूमिका और भी अधिक महत्वपूर्ण हो जाती है। साहित्य के आरंभ से ही कविता ने समय और समाज को प्रभावित किया है और मानवीय आचरण को संतुलित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। अतः शिक्षण में हिन्दी कविता छात्रों के दृष्टिकोण को और भी अधिक परिपक्व करेगी। प्रस्तुत पाठ्यक्रम को निम्नांकित सप्ताहों में विभाजित किया जा सकता है:-

1 से 3 सप्ताह- इकाई 1
4 से 6 सप्ताह- इकाई 2
7 से 9 सप्ताह- इकाई 3
10 से 12 सप्ताह- इकाई 4
13 से 14 सप्ताह सामूहिक चर्चा, विशेष व्याख्यान एवं आंतरिक मूल्यांकन संबंधी गतिविधियां

मूल्यांकन के तरीके

टेस्ट, असाइनमेंट

B. विषय केन्द्रित (Discipline Specific Elective) क्रेडिट :-6

1. लोक-साहित्य
2. सृजनात्मक लेखन
3. अस्मितामूल्क विमर्श और हिंदी साहित्य
4. हिंदी रंगमंच

पाठ्यक्रम:- B.1 . **लोक साहित्य**

क्रेडिट :-6

Course Objective:

- लोक साहित्य परंपरा के अध्ययन से भारतीय लोक-जीवन को करीब से जानने का अवसर प्राप्त होगा।

Course Learning Outcomes:

- भारतीय जीवन की लोकधारा का परिचय प्राप्त होगा।
- पर्यटन, लोकसंगीत और नृत्य में रुचि विकसित होगी।

इकाई 1.लोक साहित्य की अवधारणा

(१)लोक साहित्य : परिभाषा एवं विशेषता

(२)लोक, लोकवार्ता, लोक-संस्कृति और लोक-साहित्य

इकाई 2.लोक साहित्य के प्रकार

1) लोकगीत और लोक कथा

2) लोक नाट्य एवं लोक सुभाषित

इकाई 3. लोक-साहित्य के अध्ययन की परम्परा

1) भारतीय परम्परा

2) पाश्चात्य परम्परा

इकाई 4.लोक-साहित्य संकलन

प्रविधियाँ,उद्देश्य ,समस्याएं और समाधान

अनुमोदित ग्रंथ:

1.	लोक साहित्य की भूमिका	कृष्णदेव उपाध्याय
2.	लोक संस्कृति की रूपरेख	कृष्णदेव उपाध्याय
3.	लोक साहित्य का अध्ययन	त्रिलोचन पाण्डेय
4.	कविता कौमुदी	रामनरेश त्रिपाठी
5.	आदि हिन्दी के गीत और कहानियां	राहुल सांस्कृत्यायन
6.	लोक साहित्य और लोक स्वर	विद्यानिवास मिश्र
7.	लोक साहित्य	श्याम परमार
8.	लोक साहित्य की भूमिका	प्रो. रवीन्द्र भ्रमर
9.	लोक संस्कृति और राष्ट्रवाद	बद्रीनारायण

अतिरिक्त सहायक-ग्रंथ

1. हिन्दी साहित्य को हरियाणा प्रदेश की देन- हरियाणा साहित्य अकादमी का प्रकाशन
2. मध्य-प्रदेश लोक-कला आदमी की पत्रिका-चौमासा
3. चीनी-लोक-कथाएँ- अनिल राय

शिक्षण अधिगम प्रक्रिया

कक्षा व्याख्यान, सामूहिक चर्चा

1 से 3 सप्ताह- इकाई 1

4 से 6 सप्ताह- इकाई 2

7 से 9 सप्ताह- इकाई 3

10 से 12 सप्ताह- इकाई 4

13 से 14 सप्ताह सामूहिक सीएचएआरसीएचए, विशेष व्याख्यान एवं आंतरिक मूल्यांकन संबंधी गतिविधियाँ

मूल्यांकन के तरीके

टेस्ट, असाइनमेंट

पाठ्यक्रम:- B.2. सृजनात्मक लेखन

क्रेडिट :-6

Course Objective:

विद्यार्थियों में सृजनात्मक कौशल का विकास करना।

Course Learning Outcomes:

- सृजनात्मकता का विकास
- विभिन्न क्षेत्रों जैसे पत्रकारिता, मीडिया, विज्ञापन, सिनेमा, लेखन एवं कला के क्षेत्रों में रोजगार प्राप्त करने में सहायक

इकाई 1. रचनात्मकता की अवधारणा

(१) रचनात्मकता का अभिप्राय, विविध रूप, तत्व

(२) रचनात्मकता को प्रभावित करने वाले कारक

इकाई 2. रचनात्मकता और भाषा :

1. भाषा की रचनात्मकता, भाषा का सौन्दर्य, भाषिक अभिव्यक्ति की शैलियाँ

इकाई 3. रचनात्मकता के विविध रूप

साक्षात्कार, फीचर लेखन,
स्तम्भ लेखन, रेडियो वार्ता
नाटक, दृश्य लेखन और संवाद लेखन

इकाई 2. रचनात्मक साहित्य और समीक्षा :

फ़िल्म समीक्षा,
पुस्तक समीक्षा
खेल समीक्षा

अनुमोदित ग्रंथ:

1. साहित्य चिंतन: रचनात्मक आयाम- रघुवंश
2. रचनात्मक लेखन- रमेश गौतम(सं.)
3. कला की जरूरत- आन्सर्ट फिशर, अनु. रमेश उपाध्याय
4. सृजनशीलता और सौंदर्यबोध- रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव

सहायक अनुमोदित ग्रंथ

1. कविता रचना-प्रक्रिया- कुमार विमल
2. कविता से साक्षात्कार- मलयज
3. कविता क्या है- विश्वनाथ प्रसाद तिवारी
4. एक कवि की नोट बुक- राजेश जोशी
5. उपन्यास की रचना- गोपाल राय
6. उपन्यास सृजन की समस्याएँ- शमशेर सिंह नरूला
7. हिन्दी कहानी का शैली विज्ञान- बैकुंठनाथ ठाकुर
8. रेडियो लेखन- मधुकर गंगाधर
9. पत्रकारी लेखन के आयाम- मनोहर प्रभाकर
10. सर्जक का मन- नंदकिशोर आचार्य
11. शब्द-शक्ति विवेचन- रामलखन शुक्ल
12. राइटिंग क्रिएटिव फिक्शन- एच. आर. एफ. कीटिंग

शिक्षण अधिगम प्रक्रिया

1 से 3 सप्ताह- इकाई-1

4 से 6 सप्ताह- इकाई-2

7 से 9 सप्ताह- इकाई-3

10 से 12 सप्ताह- इकाई-4

13 से 14 सप्ताह सामूहिक चर्चा, विशेष व्याख्यान एवं आंतरिक मूल्यांकन संबंधी गतिविधियाँ

मूल्यांकन के तरीके

टेस्ट, असाइनमेंट

पाठ्यक्रम: B.3- अस्मितामूलकविमर्शऔरहिंदीसाहित्य

क्रेडिट:-6

Course Objective:

- अस्मिताओंकासैद्धांतिकऔर व्यावहारिक ज्ञान
- प्रमुखरचनाओंकेअध्ययनकेमाध्यमसेसंवेदनात्मकविश्लेषण

Course Learning Outcomes:

- अस्मितामुलक विमर्श का ज्ञान
- विभिन्न अस्मिताओं की समस्याओं और उसके परिवेश कोसमझना

- प्रमुख कृतियों का परिचय

इकाई 1:

इकाई - 1 : विमर्श की सैद्धांतिकी

क) दलित विमर्श : अवधारणाऔरआंदोलन, फुलेऔरआंबेडकर

ख) स्त्री विमर्श_ : अवधारणाएंऔरआंदोलन (पाश्चात्यऔरभारतीय)
दलित स्त्रीवाद, लिंगभेद, पितृसत्ता

ग) आदिवासी विमर्श : अवधारणाऔरआंदोलन
जल, जंगल, जमीनऔरपहचानकासवाल

इकाई 2:

विमर्शमूलक कथा साहित्य : (1) ओमप्रकाश वाल्मीकि - सलाम
(2)हरिराममीणा - धूणीतपेतीर, पृष्ठ संख्या :158-167
(3) ब्रजमोहन-क्रांतिवीर मदारी पासी, पृष्ठ संख्या : 44-57
(4) नासिराशर्मा - खुदाकीवापसी

इकाई 3:

विमर्शमूलक कविता

क) दलित कविता :
(1) हीराडोम (अछूतकी शिकायत)
(2) मलखानसिंह (सुनोब्राह्मण)
(3) माताप्रसाद (सोनवाकापिंजरा)
(4) असंगघोष (मैं दूंगामाकूलजवाब)

ख) स्त्री कविता :
(1)अनामिका (स्त्रियाँ)
(2) निर्मला पुतुल (क्यातुमजानतेहो)
(3) कात्यायनी (सात भाइयोंकेबीचचंपा)
(4) सविता सिंह (मैं किसकीऔरतहूँ)

इकाई 4:

विमर्शमूलक अन्य गद्य विधाएं :

1. प्रभाखेतान, पृष्ठ संख्या 28-42 : अन्यासेअनन्यातक
2.तुलसीराममुर्दहिया (चौधरी चाचा से प्रारंभपृष्ठ संख्या 125 से 135)
3. महादेवीवमा_ : स्त्री के अर्थ स्वातंत्र्य का प्रश्न
4.श्योराज सिंह 'बेचैन' - मेराबचपनमेरे कन्धोंपर (दिल्ली : बड़ी दुनिया मेंछोटेकदम, यहाँएकमोचीरहताथा)

अनुमोदित ग्रन्थ:

1. अम्बेडकररचनावली - भाग-1
2. मूकनायक, बहिष्कृतभारत - आंबेडकर (अनुवादकश्योराज सिंह 'बेचैन')
3. गुलामगीरी- ज्योतिबाफुले
4. ज्योतिबाफुले : सामाजिक क्रान्ति के अग्रदूत - डॉनामदेव
5. दलित साहित्य का सौंदर्यशास्त्र-ओमप्रकाश वाल्मीकि
6. दलित साहित्य का सौंदर्यशास्त्र - शरणकुमारलिम्बाले
7. दलितआंदोलनकाइतिहास - मोहनदासनैमिशराय
8. हिंदी दलित कथा साहित्य : अवधारणाएवंविधाएँ - रजतरानी 'मीनू'
9. अस्मितामूलक विमर्श - रजतरानीमीनू
10. नारी उपेक्षिता - सिमोनदबोउवा
11. उपिनवेशमें स्त्री - प्रभाखेतान
12. औरतहोनेकीसजा - अरविन्दजैन
13. नारीवादी राजनीति-जिनी निवेदिता
14. स्त्री अस्मिता साहित्य और विचारधारा - सुधासिंह
15. स्त्री स्वर: अतीत और वर्तमान - डॉनीलम, डॉनामदेव
16. आदिवासी अस्मिताकासंकट-रमणिका गुप्ता
17. सामाजिक न्याय और दलित साहित्य- श्योराज सिंह बेचैन (सं.)

सहायक अनुमोदित ग्रन्थ:

1. दलित दस्तक
2. सम्यकभारत
3.अंबेडकरइनइंडिया
4. बहुरी नहींआवना
5. नेशनलदस्तक(वेब लिंक)

शिक्षण अधिगम प्रक्रिया

1 से 3 सप्ताह- इकाई-1

4 से 6 सप्ताह- इकाई-2

7 से 9 सप्ताह- इकाई-3

10 से 12 सप्ताह- इकाई-4

13 से 14 सप्ताह सामूहिक चर्चा, विशेष व्याख्यान एवं आंतरिक मूल्यांकन संबंधी गतिविधियाँ

मूल्यांकन के तरीके

टेस्ट, असाइनमेंट

B.3 हिंदी रंगमच **क्रेडिट: 6**

Course Objective:

- रंगमंच का सैद्धांतिक और व्यवहारिक ज्ञान
- हिंदी रंगमंच के विकास के माध्यम से महत्वपूर्ण विचारकों के विचारों को समझना

Course Learning Outcomes:

- रंगमंच के विकास के साथ-साथ विभिन्न शैलियों की जानकारी प्राप्त होगी
- प्रमुख विचारकों की रंगदृष्टि के अवगत हो पायेंगे
- पारंपरिक और आधुनिक रंगमंच की समझ विकसित होगी
- भारतबोध होगा

इकाई. 1

- पारंपरिक रंगमंच

रामलीला, रासलीला, नौटंकी, बिदेसिया, पांडवानी, अंकिया, सांग, ख्याल, माच

- प्राचीन भारतीय प्रदर्शन परंपरा और आधुनिक रंगमंच

इकाई.2-

हिंदी रंगमंच की विकास-यात्रा

- हिंदी रंगमंच: पारसी थिएटर, भारतेंदु युगीन रंगमंच, माधव प्रसाद शुक्ल्युगीन रंगमंच, पृथ्वी थिएटर
- रंग-समस्याएँ: रंग-प्रशिक्षण एवं गतिविधियाँ, राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय, रंगमंडल, भारत भवन, भोपाल, भारतेंदु नाट्य अकादमी

इकाई.3-

- आधुनिक हिंदी रंगमंच की विविध शैलियाँ, शैलीबद्ध, यथार्थवादी, लोक शैली

इकाई.4-

- प्रमुख रंग व्यक्तित्व और उनकी रंगदृष्टि: राधेश्याम कथावाचक, श्यामानंद जालान, सत्यदेव, इब्राहीम अल्काजी

अनुमोदित ग्रन्थ:

1. परंपराशील नाट्य- जगदीशचंद्र माथुर
2. मेरा नाटक काल- राधेश्याम कथावाचक
3. पारसी हिंदी रंगमंच- लक्ष्मीनारायण लाल
4. नात्यासम्राट पृथ्वीराज कपूर- जानकी वल्लभ शास्त्री
5. आधुनिक हिंदी नाटक और रंगमंच- लक्ष्मीनारायण लाल
6. पहला रंग- देवेन्द्र राज अंकुर
7. भिखारी ठाकुर: भोजपुरी के भारतेंदु- भगवत प्रसाद द्विवेदी
8. नाटक और रंगमंच- सीताराम झा(श्याम)
9. अंकिया नाट- विरंचीकुमार बरुआ(सं.)
10. असमिया साहित्य चानैकी- हेमचन्द्र गोस्वामी

सहायक अनुमोदित ग्रन्थ:

1. कंटेम्परारी इंडियन थिएटर: इंटरव्यू विद प्लेरायटर्स, संगीत नाटक अकादमी
2. पंडवानी महाभारत की एक लोकनाट्य शैली- निरंजन महावर
3. छत्तीसगढ़ी लोकनाट्य नाचा- महावीर अग्रवाल

शिक्षण अधिगम प्रक्रिया

व्याख्यान, सामूहिक चर्चा, फिल्म प्रस्तुति और विश्लेषण

1 से 3 सप्ताह- इकाई-1

4 से 6 सप्ताह- इकाई-2

7 से 9 सप्ताह- इकाई-3

10 से 12 सप्ताह- इकाई-4

13 से 14 सप्ताह सामूहिक चर्चा, विशेष व्याख्यान एवं आंतरिक मूल्यांकन संबंधी गतिविधियाँ

मूल्यांकन के तरीके

टेस्ट, असाइनमेंट

C. हिन्दी सामान्य (generic) ऐच्छिक (hgec)
क्रेडिट :-6

1.साहित्य और सिनेमा

2. सृजनात्मक लेखन

3.सोशल मीडिया और हिन्दी

4.पटकथा और संवाद लेखन

C.1. साहित्य और सिनेमा

पाठ्यक्रम:- साहित्य और सिनेमा

क्रेडिट :-6

Course Objective:

- हिन्दी सिनेमा जगत की जानकारी
- साहित्य और सिनेमा के अंतरसंबंधों की जानकारी

- साहित्य के माध्यम से सिनेमा का निर्माण, प्रसारण और उपभोग से संबन्धित आलोचनात्मक चिंतन की समझ

Course Learning Outcomes:

- हिन्दी साहित्य, सिनेमा, समाज और संस्कृति की समझ
- सिनेमा निर्माण, प्रसार और कैमरे की भूमिका आदि की व्यावहारिक समझ

इकाई 1. सिनेमा : सामान्य परिचय

१. जनमाध्यम के रूप में सिनेमा, सिनेमा की इतिहास यात्रा
२. सिनेमा की भाषा
३. सिनेमा के प्रकार

इकाई 2. सिनेमा अध्ययन

१. सिनेमा अध्ययन की दृष्टियाँ
२. सिनेमा में यथार्थ और उसका ट्रीटमेंट
३. हिंदी सिनेमा का राष्ट्रीय अंतर्राष्ट्रीय बाज़ार

इकाई 3. सिनेमा : समीक्षा

१. सिनेमा समीक्षा के विविध पहलु
२. सिनेमा की भाषा का समाजशास्त्र

इकाई 4. सिनेमा : अंतर्वस्तु और तकनीक

१. पटकथा, अभिनय, संवाद, संगीत और नृत्य
२. कैमरा, लाइट, साउंड

अनुमोदित ग्रंथ:

1. बॉलीवुड: ए हिस्ट्री- मिहिर बोस
2. 70 इयर्स ऑफ इंडियन सिनेमा- टी. एम. रामचंद्रन
3. हिन्दी सिनेमा का समाजशास्त्र

सहायक अनुमोदित ग्रंथ:

1. विश्व सिनेमा में स्त्री- विजय शर्मा

शिक्षण अधिगम प्रक्रिया

व्याख्यान, सामूहिक चर्चा, फिल्म प्रस्तुति और विश्लेषण

1 से 3 सप्ताह- इकाई-1

4 से 6 सप्ताह- इकाई-2

7 से 9 सप्ताह- इकाई-3

10 से 12 सप्ताह- इकाई-4

13 से 14 सप्ताह सामूहिक चर्चा, विशेष व्याख्यान एवं आंतरिक मूल्यांकन संबंधी गतिविधियाँ

मूल्यांकन के तरीके

टेस्ट, असाइनमेंट

पाठ्यक्रम:-C. 2. सृजनात्मक लेखन

क्रेडिट :-6

इकाई 1. रचनात्मकता की अवधारणा

(१)रचनात्मकता का अभिप्राय, विविध रूप, तत्व

(२) रचनात्मकता को प्रभावित करने वाले कारक

इकाई 2. रचनात्मकता और भाषा :

(१) भाषा की रचनात्मकता, भाषा का सौन्दर्य, भाषिक अभिव्यक्ति की शैलियाँ

इकाई 3. रचनात्मकता के विविध रूप

साक्षात्कार, फीचर लेखन, स्तम्भ लेखन, रेडियो वार्ता और नाटक, दृश्य लेखन और संवाद लेखन

इकाई 4. रचनात्मक साहित्य और समीक्षा :

(१) फ़िल्म समीक्षा, पुस्तक समीक्षा, खेल समीक्षा

पाठ्यक्रम:-C. 3. सोशल मीडिया और हिंदी

क्रेडिट :-6

Course Objective:

- सोशल मीडिया का विकास के साथ-साथ भाषा, समाज और संस्कृति की जानकारी
- सोशल मीडिया की आचार-संहिता
- सोशल मीडिया के विभिन्न प्रभाव
- सोशल मीडिया पर हिन्दी भाषा का प्रभाव

Course Learning Outcomes:

- बाज़ार, भाषा, सोशल मीडिया और समाज के संबंध की व्यावहारिक जानकारी

इकाई 1. सोशल मीडिया का विकास एवं स्वरूप

(१) संचार का बदलता स्वरूप और सोशल मिडिया
(२) डिजिटल साक्षरता इन्टरनेट
डिजिटल अनुभव (मोबाइल, साइबर स्पेस, ऑनलाइन ऐप)

इकाई 2. सोशल मीडिया : तकनीक और एप्लीकेशन

(१) एनालॉग और डिजिटल माध्यम
(२) मिडिया का डिजिटल रूपांतरण
(३) मिडिया कन्वर्जेन्स

इकाई 3. सोशल मिडिया के प्रकार

फेसबुक, ट्विटर, व्हाट्सएप, ब्लॉगर, यूट्यूब, स्काइप

इकाई 4. सोशल मिडिया का प्रभाव :

(१) इन्टरनेट/ऑनलाइन एक्टिविज़्म
(२) सिटीजन जर्नलिस्म, साइबर क्राइम
(३) लोकतंत्रीकरण एवं डिजिटल डिवाइस

अनुमोदित ग्रंथ:

1. सोशल नेटवर्किंग: नए समय का संवाद- संजय द्विवेदी(सं.)

सहायक अनुमोदित ग्रंथ:

1. सोशल मीडिया और स्त्री- रमा
2. वर्चुअल रिएलिटि और इंटरनेट- जगदीश्वर चतुर्वेदी
3. क्लास रिपोर्टर- जयप्रकाश त्रिपाठी
4. सीढ़ियाँ चढ़ता मीडिया- माधव हाड़ा
5. पत्रकारिता से मीडिया तक- मनोज कुमार
6. नए जमाने की पत्रकारिता- सौरभ शुक्ला
7. कम्प्युटर के भाषिक अनुप्रयोग- विजय कुमार मल्होत्रा

शिक्षण अधिगम प्रक्रिया

व्याख्यान, समूह-परिचर्चा

1 से 3 सप्ताह- इकाई-1

4 से 6 सप्ताह- इकाई-2

7 से 9 सप्ताह- इकाई-3

10 से 12 सप्ताह- इकाई-4

13 से 14 सप्ताह सामूहिक चर्चा, विशेष व्याख्यान एवं आंतरिक मूल्यांकन संबंधी गतिविधियाँ

मूल्यांकन के तरीके

टेस्ट, असाइनमेंट

C.4

पाठ्यक्रम:- .पटकथा तथा संवाद लेखन

क्रेडिट :-6

Course Objective:

- विद्यार्थी को पटकथा लेखन की तकनीक को समझाना।
- विद्यार्थियों में साहित्यिक विधाओं का पटकथा में रूपान्तरण तथा संवाद लेखन की समझ विकसित करना।

Course Learning Outcomes:

- पटकथा क्या है! समझेंगे।
- पटकथा और संवाद लेखन में दक्षता हासिल करेंगे।
- कहानी, उपन्यास आदि साहित्यिक विधाओं को पटकथा में रूपांतरित करना सिखेंगे।
- भविष्य में पटकथा लेखन को आजीविका का माध्यम बना सकेंगे।

इकाई 1. पटकथा की अवधारणा एवं स्वरूप

इकाई 2. सम्वाद सैद्धांतिकी और संरचना

इकाई 3. पटकथा

फीचर फ़िल्म, टीवी धारावाहिक, कहानी एवं डाक्यूमेंट्री

इकाई 4.संवाद-लेखन

फीचर फ़िल्म, टीवी धारावाहिक, कहानी एवं डाक्यूमेंट्री

अनुमोदित ग्रंथ:

1. पटकथा लेखन- मनोहर श्याम जोशी
2. कथा-पटकथा- मन्नू भण्डारी
3. रेडियो लेखन- मधुकर गंगाधर
4. टेलीविजन लेखन- असगर वजाहत, प्रभात रंजन

शिक्षण अधिगम प्रक्रिया

1. कक्षाओं में पठन-पाठन की पद्धति
2. कक्षा में प्रस्तुतियाँ
3. व्यावहारिक कार्य और परिचर्चा

1 से 3 सप्ताह- इकाई-1

4 से 6 सप्ताह- इकाई-2

7 से 9 सप्ताह- इकाई-3

10 से 12 सप्ताह- इकाई-4

13 से 14 सप्ताह सामूहिक चर्चा, विशेष व्याख्यान एवं आंतरिक मूल्यांकन संबंधी गतिविधियाँ

मूल्यांकन के तरीके

टेस्ट, असाइनमेंट

D. हिन्दी कौशल -संवर्धन ऐच्छिक (HSEC) क्रेडिट :-4

A.1. .अनुवाद और हिन्दी साहित्य

A.2 कम्प्यूटर अनुप्रयोग

B.1 विज्ञापन और समाचार लेखन

B.2 कार्यालयी हिन्दी

A.1 अनुवाद और हिन्दी साहित्य

क्रेडिट :-4

Course Objective:

- अनुवाद की सैद्धान्तिक और व्यावहारिक जानकारी
- विभिन्न क्षेत्रों में अनुवाद की प्रकृति की जानकारी

Course Learning Outcomes:

- अनुवाद की सैद्धान्तिक और व्यावहारिक जानकारी
- विभिन्न क्षेत्रों के अनुवाद का विश्लेषणात्मक अध्ययन
- प्रयोगात्मक कार्य

इकाई 1. अनुवाद : सिद्धांत और प्रविधि

अनुवाद शब्द की व्युत्पति एवं अर्थ ,इतिहास
विविध परिभाषाएं , अनुवाद का स्वरूप
अनुवाद की प्रासंगिकता

इकाई 2. अनुवाद : प्रकार और शैलियाँ

1.माध्यम के आधार पर
2.प्रक्रिया के आधार पर

3.पाठ के आधार पर

अंतरभाषिक अनुवाद ,अंत:भाषिक अनुवाद ,पाठ अनुवाद ,आशु अनुवाद ,शाब्दिक अनुवाद,भावानुवाद

अनुमोदितग्रंथ:-

1.अनुवाद सिद्धांत की रुपरेखा डॉ.सुरेश कुमार
2.अनुवाद के भाषिक पक्ष विभा गुप्ता
3.अनुवाद-कार्यदक्षता डॉ.महेंद्र नाथ दुबे
4.अनुवाद क्या हैं संपादन :डॉ.भ.ह.राजूरकर/डॉ.राजमल बोरा
5. प्रयोजनमूलकहिन्दी दंगलझाल्टे
6.अनुवाद और रचना का उतर-जीवन डॉ.रमण सिन्हा
7. अनुवाद मूल्य और मूल्याङ्कन प्रो. शशि मुदिराज
8. अनुवाद विज्ञान : सिद्धांत एवं प्रविधि भोलानाथ तिवारी

सहायक अनुमोदित ग्रंथ:

1. अनुवाद सिद्धान्त और प्रयोग- गोपीनाथन जी.
2. अनुवाद विज्ञान: सिद्धान्त और अनुप्रयोग- नगेंद्र(सं.)
3. अनुवाद सिद्धान्त की रूपरेखा- सुरेश कुमार

शिक्षण अधिगम प्रक्रिया

व्याख्यान, सामूहिक चर्चा
1 से 3 सप्ताह- इकाई-1
4 से 6 सप्ताह- इकाई-2
7 से 9 सप्ताह- इकाई-3
10 से 12 सप्ताह- इकाई-4
13 से 14 सप्ताह सामूहिक चर्चा, विशेष व्याख्यान एवं आंतरिक मूल्यांकन संबंधी गतिविधियाँ

मूल्यांकन के तरीके

टेस्ट, असाइनमेंट

A.2 कंप्यूटर और हिंदी भाषा

क्रेडिट: 4

Course Objective

विद्यार्थियों के लिए पाठ्यक्रम के आरम्भ में ही हिंदी भाषा और कंप्यूटर सम्बन्धी सामान्य जानकारी देना अत्यंत आवश्यक है। पूरी दुनिया ने वैश्वीकृत युग में प्रवेश कर लिया है। बाज़ार और व्यवसाय ने देशों की सीमाएं लांघ दी हैं। अतः ऐसे में भाषा का मजबूत होना आवश्यक है। यह पाठ्यक्रम बाजारवाद और भूमंडलीकरण की वैश्विक गति के बीच से ही हिंदी भाषा और कंप्यूटर के माध्यम से ही राष्ट्रीय प्रगति को भी सुनिश्चित करेगा क्योंकि सशक्त भाषा के बिना किसी राष्ट्र की उन्नति संभव नहीं है। यह पाठ्यक्रम वर्तमान सन्दर्भों के अनुकूल है। साथ ही इस पाठ्यक्रम का आधुनिक रूप रोजगारपरक भी है। कंप्यूटर को हिंदी से जोड़ना विद्यार्थियों को व्यावहारिक पहलुओं से अवगत करा सकेगा।

Course Learning Outcomes

इस पाठ्यक्रम को पढने-पढ़ाने की दिशा में निम्नलिखित परिणाम सामने आयेंगे:-

- विद्यार्थी कंप्यूटर को हिंदी माध्यम से सीख कर आत्मविश्वास से पूर्ण अनुभव करेगा
- इस पाठ्यक्रम के माध्यम से सीखने-सिखाने की प्रक्रिया में हिंदी भाषा और कंप्यूटर के आरंभिक स्तर से अब तक के बदलते रूपों की विस्तृत जानकारी प्राप्त होगी।
- हिंदी के विभिन्न फॉण्ट सीखकर कंप्यूटर पर सुगमता से कार्य कर सकेगा।
- हिंदी भाषा में इन्टरनेट और वेबसीतेस का प्रयोग कर सकेगा।
- उच्च शैक्षिक स्तर पर हिंदी भाषा किस प्रकार महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है, इससे सम्बंधित परिणाम को प्राप्त किया जा सकेगा।
- कंप्यूटर में हिंदी की चुनौतियों और संभावनाओं को जान पायेगा।
- ई-गवर्नेंस, ई-लर्निंग, एस.एम.एस. की हिंदी का प्रयोग कर पायेगा।
- हिंदी के माध्यम से कंप्यूटर की दुनिया से परिचित हो जायेगा।
- राजभाषा के रूप में हिंदी की प्रगति को सुनिश्चित किया जा सकेगा।
- भाषा के सैद्धांतिक रूप के साथ-साथ व्यावहारिक पक्ष को भी जाना जा सकेगा।

इकाई-1: कंप्यूटर का विकास और हिंदी

1.कंप्यूटर का परिचय

2.कंप्यूटर में हिंदी आरम्भ

3.कंप्यूटर में हिंदी के विविध फॉण्ट

4.कंप्यूटर में हिंदी की चुनौतियाँ और संभावनाएं

इकाई-2: हिंदी भाषा और प्रौद्योगिकी

1.इन्टरनेट पर हिंदी एवं इन्टरनेट में प्रयोग होने वाली हिंदी
2.यूनिकोड, देवनागरी लिपि और हिंदी भाषा
3.हिंदी और वेब डिजाइनिंग
4.हिंदी की विभिन्न वेबसाइट

इकाई-3: हिंदी भाषा, कंप्यूटर और गवर्नेंस

1. राजभाषा हिंदी के प्रचार-प्रसार में कंप्यूटर की भूमिका
2. ई-गवर्नेंस में हिंदी का प्रयोग
3. कंप्यूटर के माध्यम से हिंदी शिक्षण और ई-लर्निंग
4. सरकारी और गैर-सरकारी संस्थाओं में प्रयोग होने वाली हिंदी भाषा

इकाई-4: हिंदी भाषा और कंप्यूटर : विविध पक्ष

1. इन्टरनेट पर हिंदी पत्र-पत्रिकाएं
2. एस.एम.एस. की हिंदी
3. न्यू मीडिया और हिंदी भाषा
4. हिंदी के विभिन्न की-बोर्ड

अनुमोदित ग्रन्थ:

1. आधुनिक जनसंचार और हिंदी- हरिमोहन
2. कंप्यूटर के भाषिक अनुप्रयोग- विजय कुमार मल्होत्रा
3. कंप्यूटर और हिंदी- हरिमोहन
4. हिंदी भाषा और कंप्यूटर- संतोष गोयल
5. कंप्यूटर के द्वारा प्रस्तुतीकरण और भाषा सिद्धांत- पी. के शर्मा
6. सोशल नेटवर्किंग: नए समय का संवाद- संजय द्विवेदी
7. जनसंचार और मास कल्चर- जगदीश्वर चतुर्वेदी

सहायक अनुमोदित ग्रन्थ:

1. मीडिया: भूमंडलीकरण और समाज- संजय द्विवेदी(सं.)
2. नए जमाने की पत्रकारिता- सौरभ शुक्ल
3. पत्रकारिता से मीडिया तक- मनोज कुमार
4. जनसंचार के सामाजिक सन्दर्भ- जवरीमल्ल पारख

शिक्षण अधिगम प्रक्रिया:

व्याख्यान, सामूहिक चर्चा

1 से 3 सप्ताह- इकाई-1

4 से 6 सप्ताह- इकाई-2

7 से 9 सप्ताह- इकाई-3

10 से 12 सप्ताह- इकाई-4

13 से 14 सप्ताह सामूहिक चर्चा, विशेष व्याख्यान एवं आंतरिक मूल्यांकन संबंधी गतिविधियाँ

मूल्याङ्कन के तरीके:

1. हिंदी भाषा और कंप्यूटर आधारित परियोजना कार्य
2. कंप्यूटर के विकास की ऐतिहासिक परम्परा और हिंदी का विश्लेषण।
3. कंप्यूटर में हिंदी सीखने के लिए हिंदी की टंकण व्यवस्था एवं विभिन्न फोंट्स का व्यावहारिक ज्ञान देना।
4. दृश्य-श्रव्य माध्यमों के प्रभावी रूप द्वारा शिक्षण
5. कक्षा में मौखिक और लिखित परीक्ष

पाठ्यक्रम:-B.1 विज्ञापन और समाचार लेखन

क्रेडिट :-4

Course Objective:

- बाज़ार, विज्ञापन और वाणिज्य की जानकारी
- समाचार लेखन की जानकारी
- हिन्दी में विज्ञापन निर्माण, समाचार लेखन, प्रसार और प्रभाव का अध्ययन-विश्लेषण

Course Learning Outcomes:

- विभिन्न माध्यमों के विज्ञापनों के अध्ययन-विश्लेषण का अवसर मिलेगा।
- निर्माण और प्रभाव को सामाजिक आवश्यकताओं पर विश्लेषित करना।
- समाचार तथा विज्ञापन लेखन जैसे क्षेत्रों में रोजगार प्राप्त करने की दक्षता।

इकाई 1. विज्ञापन : स्वरूप एवं अवधारणा

विज्ञापन : अर्थ, परिभाषा और सामान्य परिचय, विज्ञापन के माध्यम, विज्ञापन की भाषा, विज्ञापन का महत्त्व

इकाई 2. समाचार लेखन

१. प्रिंट माध्यमों के लिए समाचार लेखन, रेडियो के लिए समाचार लेखन, डिजिटल मिडिया के लिए समाचार लेखन.

अनुमोदित ग्रंथ:

1. जनसम्पर्क, प्रचार व विज्ञापन- विजय कुलश्रेष्ठ
2. जनसंचार माध्यम: भाषा और साहित्य- सुधीश पचौरी
3. डिजिटल युग में विज्ञापन- सुधा सिंह, जगदीश्वर चतुर्वेदी

सहायक अनुमोदित ग्रंथ:

1. ब्रेक के बाद- सुधीश पचौरी
2. मीडिया की भाषा- वसुधा गाडगिल
3. विज्ञापन की दुनिया- कुमुद शर्मा
4. विज्ञापन डॉट कॉम- रेखा सेठी
5. www.adbrands.net
6. www.afaqs.com
7. www.adgully.com
8. www.cnbc.com
9. www.exchange4media.com

शिक्षण अधिगम प्रक्रिया

कक्षा व्याख्यान, सामूहिक चर्चा, विज्ञापनों के लिए जनसंचार माध्यमों का प्रयोग

1 से 3 सप्ताह- इकाई-1

4 से 6 सप्ताह- इकाई-2

7 से 9 सप्ताह- इकाई-3

10 से 12 सप्ताह- इकाई-4

13 से 14 सप्ताह सामूहिक चर्चा, विशेष व्याख्यान एवं आंतरिक मूल्यांकन संबंधी गतिविधियाँ

मूल्यांकन के तरीके

टेस्ट, असाइनमेंट

पाठ्यक्रम: B.2 कार्यालयी हिन्दी

क्रेडिट :-4

Course Objective:

- कार्यालयी शब्दावली/वाक्य/पत्र लेखन का ज्ञान कराना
- कार्यालयी शब्दावली/वाक्य/पत्र लेखन हिन्दी से अंग्रेज़ी तथा अंग्रेज़ी से हिन्दी में अनुवाद का अभ्यास कराना
- कार्यालयी मसौदे और पत्राचार का औपचारिक ज्ञान

Course Learning Outcomes:

- कार्यालयी भाषा की सैद्धान्तिक व व्यावहारिक जानकारी होगी।
- हिन्दी की आवश्यकताओं और रोजगार क्षेत्रों की मांग का अनुमान कर सकेंगे

इकाई 1. कार्यालयी हिंदी- अभिप्राय तथा उद्देश्य

सामान्य हिंदी तथा कार्यालयी हिंदी में सम्बन्ध और अंतर, कार्यालयी हिंदी के प्रयोग क्षेत्र: राजकीय, अर्द्ध सरकारी, सार्वजनिक उपक्रम

इकाई 2. कार्यालयी हिंदी : प्रकार एवं पत्राचार

१. टिप्पण, प्रारूप लेखन, पल्लवन, संक्षेपण, अधिसूचना, प्रेस-विज्ञप्ति, ज्ञापन, परिपत्र

2. प्रशासनिक पत्रावली

अनुमोदित ग्रंथ:

1. प्रयोजनमूलक हिन्दी: सिद्धान्त और प्रयोग- डॉ. दंगल झाल्टे
2. प्रयोजनमूलक हिन्दी- माधव सोनटक्के
3. प्रयोजनमूलक हिन्दी की नयी भूमिका- कैलाशनाथ पांडे
4. प्रारूपण, शासकीय प्रचार और टिप्पण लेखन विधि- राजेंद्र प्रसाद श्रीवास्तव
5. प्रयोजनमूलक भाषा और कार्यालयी हिन्दी- कृष्ण कुमार गोस्वामी
6. प्रयोजनमूलक हिन्दी के आधुनिक आयाम- डॉ. महेन्द्र सिंह राणा

सहायक अनुमोदित ग्रंथ:

1. अतिरिक्त स्रोत- नेट
2. http://rajbhasha.gov.in/sites/default/files/saralshabdavali.pdf

शिक्षण अधिगम प्रक्रिया

1. कक्षाओं में पारंपरिक और आधुनिक तकनीकी माध्यमों की सहायता से अध्ययन-अध्यापन
2. समूह परिचर्चायें
3. कक्षा में कमजोर विद्यार्थियों की पहचान और कक्षा के बाद उनकी अतिरिक्त सहायता

1 से 3 सप्ताह- इकाई-1

4 से 6 सप्ताह- इकाई-2

7 से 9 सप्ताह- इकाई-3

10 से 12 सप्ताह- इकाई-4

13 से 14 सप्ताह सामूहिक चर्चा, विशेष व्याख्यान एवं आंतरिक मूल्यांकन संबंधी गतिविधियाँ

मूल्यांकन के तरीके

प्रोजेक्ट के रूप में कार्यालयी शब्दावली/ वाक्य/ पत्र का हिन्दी से अँग्रेजी तथा अँग्रेजी से हिन्दी में अनुवाद का अभ्यास कराया जाये।

कार्यालयी पत्राचार का औपचारिक अभ्यास कराया जाये।